राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 23 जून 2025 वर्ष-8,अंक-124 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पड़ोसी देशों से रिश्ते हमेशा आसान नहीं होते

एस जयशंकर बोले-लेकिन भारत ने मजबूत समझदारी बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत को अपने पड़ोसी देशों से हमेशा अच्छे और आसान रिश्तों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। लेकिन भारत ने ऐसी समझदारी वाली नीति बनाई है, जिससे चाहे किसी देश में सरकार बदले, रिश्ते फिर भी ठीक बने रहें। जयशंकर ने कहा, आखिरकार, हमारे हर पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ मिलकर काम करने से उनका फायदा होता है और न करने से नुकसान। कुछ देशों को इसे समझने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपवाद है, क्योंकि वहां की पहचान सेना के इर्द-गिर्द बनी है, उसमें शुरू से ही भारत के प्रति दुश्मनी भरी रहती है। विदेश मंत्री ने कहा-पहले की सरकारों की नीति में पाकिस्तान को लेकर नरमी थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदल दिया। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ रिश्तों में कभी-कभी अनिश्चितता होती है, इसलिए भारत ने उसके साथ ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव बनाए ताकि रिश्ते संतुलित रहें। चीन के बारे में उन्होंने कहा कि सीमा पर हालात कई बार बहुत मुश्किल हो गए, खासकर गलवान की झड़प के बाद। इसलिए हमें सीमा पर सड़कें और जरूरी सुविधाएं बनानी पड़ीं, जो पहले की सरकारों ने नजरअंदाज कर दी थीं। उन्होंने कहा-पहले सरकारों ने बॉर्डर पर विकास नहीं किया, जो बड़ी गलती थी। आज हम चीन के सामने मजबूती से खड़े हैं, क्योंकि हमने वहां जरूरी ढांचा तैयार किया है। जयशंकर ने कहा कि पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने भारत के पड़ोसी देशों से रिश्ते मजबूत करने पर खास ध्यान दिया है। उन्होंने बताया-श्रीलंका में सरकार बदली, लेकिन भारत से रिश्ते अच्छे बने रहे। मालदीव से शुरू में थोड़ी परेशानी थी, पर अब संबंध सुधर गए हैं। नेपाल की राजनीति में भारत को कई बार घसीटा जाता है, लेकिन हमें इससे परेशान नहीं होना चाहिए। जयशंकर ने कहा;-रिश्तों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन हमें समझदारी से काम लेना चाहिए। मुश्किल समय में हार नहीं माननी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना कमजोर योजना का संकेत होता है। जयशंकर ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताते हुए कहा कि अब भारत सिर्फ जवाब नहीं देता, बल्कि जरूरत पड़ने पर खुद भी पहल करता है। उन्होंने कहा कि अब पाकिस्तान को यह नहीं लगता कि वो कुछ भी कर लेगा और उसे सजा नहीं मिलेगी।

पहले पाकिस्तान पर नरमी थी, मोदी सरकार ने सख्ती दिखाई

आखिर इजराइल-ईरान की जंग में कूद पड़ा अमरीका

ईरान के 3 एटमी ठिकानों पर बी 2 बॉम्बर से की बमबारी

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4.30 बजे हुआ।

● ईरान का पलटवार,इजराइल के 14 शहरों पर मिसाइलें दागीं

ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागी हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि उन्होंने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। वहीं, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहायशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजराइल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इस बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- हमने मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की। हाल की घटनाओं में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई। हालात को तुरंत शांत करने, बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

कच्चे तेल की खरीद को लेकर सतर्क हुआ भारत

ईरान-इजरायल युद्ध के बाद बदली रणनीति, अब इराक पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर

अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं।

हमने शुरू किया, अमेरिका ने इसे अंजाम तक पहुंचाया

ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के बाद बोले नेतन्याहू, ट्रंप को बताया सबसे अच्छा दोस्त

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान की तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर हमला कर तबाह करने का दावा किया है। पूरा अपडेट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में दिया। इस एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका को अपना करीबी मित्र बताया। हिब्रू भाषा में जारी वीडियो स्टेटमेंट में इजरायली पीएम ने कहा कि इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने जो शुरू किया उसे अमेरिका ने अंत तक पहुंचाया। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने संघर्ष की शुरुआत से ही ईरान की 'न्यूक्लियर फैसिलिटी' तबाह करने का वादा पूरा कर दिया है। अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी के खिलाफ वह काम पूरा किया है, जिसे 'आईडीएफ' ने 13 जून को शुरू किया था। नेतन्याहू ने कहा, ऑपरेशन की शुरुआत में, मैंने आपसे वादा किया था कि ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी को किसी न किसी तरह से तबाह कर दिया जाएगा। यह वादा पूरा किया गया है। इजरायली पीएम ने अमेरिकी प्रेसीडेंट से टेलीफोन पर हुई बातचीत का भी ब्योरा दिया। कहा, मैंने अमेरिकी ऑपरेशन खत्म होने के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देने के लिए फोन किया था। यह बहुत गर्मजोशी और भावुक बातचीत थी। नेतन्याहू ने आगे कहा, उन्होंने (ट्रंप) मुझे बधाई दी। उन्होंने हमारी सेना को और उन्होंने हमारे लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप दृढ़ता के साथ स्वतंत्र विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं। वह इजरायल के बहुत अच्छे मित्र हैं, ऐसे मित्र जैसा कोई और नहीं। बता दें कि ईरान पर एयर स्ट्राइक के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि उनका इरादा ईरान की न्यूक्लियर एनरिचमेंट कैपेसिटी को तबाह करना था।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद से की बात, पश्चिम एशिया के हालात पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे का हल कूटनीति और संवाद से ही निकाला जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान के साथ क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हमने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। मैंने तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की है। साथ ही, क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की आवश्यकता पर भी बल दिया।

यह बातचीत क्यों मानी जा रही अहम

पश्चिम एशिया में ईरान और इज़राइल के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण हालात चल रहे हैं, ऐसे में अमेरिका का ईरान के परमाणु क्षेत्रों में हमला मामले को और गंभीर बनाता प्रतीत हुआ है। वैसे भी दोनों देशों में हाल के दिनों में हमलों और जवाबी कार्रवाइयों से हालात और बिगड़े हैं। भारत के लिए पश्चिम एशिया रणनीतिक, ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतियों की सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ऐसे में भारत की शांति और स्थिरता की अपील अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक संतुलित और जिम्मेदार रुख के तौर पर देखी जा रही है।

'पानी-पानी' हुए राजस्थान और गुजरात

उफान पर दोनों राज्यों की कई नदियां,बाढ़ जैसे बन गए हैं हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश की कई नदियां उफान पर हैं। इस वजह से सिरोही जिले में दिल्ली-गुजरात नेशनल हाईवे पर पानी भर गया। वहीं, जोधपुर में पुलिया पर पानी के बीच से निकल रही कार नाले में गिर गई। पानी में डूबने से तीन लोगों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के चित्रकूट जिले में शुक्रवार रात से हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए। गुप्त गोदावरी पहाड़ी पर पानी का बहाव तेज होने से श्रद्धालुओं की एंट्री रोक दी गई है। गुना जिले के फतेहगढ़ में कोहन नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बहने से तीन युवकों की मौत हो गई। उधर गुजरात के उत्तरी इलाकों में भी भारी बारिश हो रही है। बनासकांठा जिले के अमीरगढ़ में रविवार सुबह दो घंटे में 101.6 एमएम (4 इंच) बारिश होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। यहां की स्थानीय नदी कालेडी उफान पर है। इससे आसपास के गांवों में घुटने तक पानी भर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, जब 24 घंटे में 65.4 एमएम (करीब 2.5 इंच) से ज्यादा बारिश होती है तो उसे भारी बारिश और इससे ऊपर जाने पर बहुत भारी बारिश की कैटेगरी में रखा जाता है। 19 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट, ओडिशा में बाढ़ जैसे हालात मानसून का अब केवल दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में ही पहुंचना बाकी है। मौसम विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 19 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड समेत आठ राज्यों में यलो अलर्ट है। दिल्ली में शनिवार शाम जोरदार बारिश हुई। ओडिशा के बालासोर जिले में सुवर्णरेखा नदी में अचानक आई बाढ़ से 50 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। नदी का जलस्तर खतरे के निशान (10.36 मीटर) को पार कर गया है। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार के लिए मध्यम से भारी वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। उधर उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू में वर्षा होने से राहत के साथ परेशानी का सामना भी करना पड़ा। कुछ स्थानों पर भूस्खलन भी हुआ है।

दिल्ली-गुजरात हाईवे पर भरा पानी एमपी-राजस्थान में 6 की मौत

यूपी में अवैध मदरसों पर योगी का ऐक्शन जारी

● संभल के बाद अब नेपाल बॉर्डर से सटे इलाके में बुलडोजर अभियान

श्रावस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अवैध मदरसों पर कार्रवाई जारी है। संभल के बाद अब श्रावस्ती में भी एक अवैध मदरसे पर बुलडोजर चलाया गया।रविवार को प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बने इस मदरसे को तोड़ दिया। यह मदरसा जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में बना था। जमीन सरकारी रिकॉर्ड में खाद गड्ढे के लिए दर्ज थी। मदरसे का नाम जामिया रजविया शम्सुल उलूम था और यह बिना मान्यता के चल रहा था। इससे पहले संभल में भी एक मस्जिद को लोगों ने खुद ही तोड़ दिया था, क्योंकि वह नगर पालिका की जमीन पर बनी थी। श्रावस्ती में जिस मदरसे को तोड़ा गया, वह जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में स्थित था। सरकारी दस्तावेजों में यह जमीन खाद गड्ढे के लिए थी लेकिन, इस पर अवैध रूप से कब्जा करके पक्का निर्माण कर लिया गया था।

हथियार डाल दो, नहीं तो बारिश में भी सोने नहीं देंगे, छीसगढ़ में गृह मंत्री शाह की नसलियों को चेतावनी

रायपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और एक केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। शाह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जिसके दौरान वह एक सुरक्षा शिविर का दौरा करेंगे और चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों पर बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मंत्री भी थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज इसे आधुनिक बनाने के लिए 3 नई पहल की जा रही हैं। एक- आज नवा रायपुर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर की आधारशिला रखी गई। दो- आज नवा रायपुर में केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की भी नींव रखी गई। तीन, जब तक हम्स- विश्वविद्यालय का नया भवन तैयार नहीं हो जाता, तब तक इसके स्थायी परिसर की भी आज शुरुआत हो गई है।

अमित शाह ने कहा कि ये तीनों पहल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि आने वाले दिनों में पूरे मध्य भारत के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली को एक आधार प्रदान करेंगी। इसके साथ ही आज छत्तीसगढ़-आईहब का भी उद्घाटन किया गया है। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद निवेश शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें 5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। छत्तीसगढ़ में कई उद्योग आ रहे हैं। मैं यहां छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्पष्ट कहने आया हूं। जब तक युवा स्वयं उद्योगपति नहीं बनेंगे, तब तक छत्तीसगढ़ का निवेश औद्योगिक क्रांति का कारण नहीं बन सकता।

गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने रुके हुए नक्सल ऑपरेशन को तेज़ गति से शुरू किया। मैंने देखा है कि सरकार बनने के बाद से इस सरकार ने न सिर्फ़ नक्सल विरोधी अभियान को तेज़ किया है बल्कि समय-समय पर इसका मार्गदर्शन भी किया है। पुलिस और सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया है और इस लड़ाई को कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाया है... मैंने कहा था कि 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और मैं आज फिर दोहराना चाहूंगा कि जिस तरह से सुरक्षा बलों ने वीरता दिखाई है, हम इस लक्ष्य को ज़रूर हासिल करेंगे।

शाह ने नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने का अनुरोध करते हुए कहा कि बातचीत की कोई जरूरत नहीं है, बस हथियार छोड़ दें, विकास की यात्रा में शामिल हों और आकर्षक आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाएं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ÷हर बार बारिश के मौसम में नक्सली थोड़ा आराम करते थे (क्योंकि घने जंगल के अंदर उफनती नदियां और नाले नक्सल विरोधी अभियानों में बाधा डालते हैं), लेकिन इस बार, हम उन्हें मानसून के दौरान सोने नहीं देंगे और हम 31 मार्च के लक्ष्य को हासिल करने के लिए और आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह नक्सलवाद की राह पर चले गए भटके युवाओं से हथियार छोड़ने की अपील करना चाहते हैं।

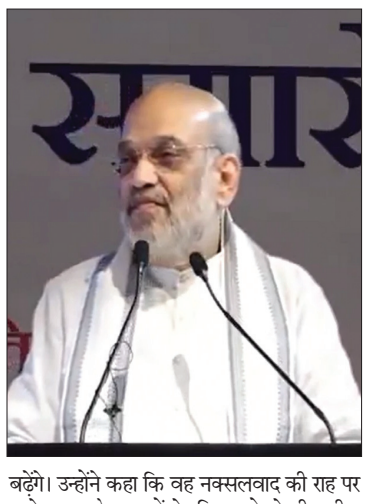

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र पहुंचे कश्मीर, सुरक्षा संबंधी तैयारियों का लिया जायजा

*** विकास और जनसंख्या उत्थान की पहल की हुई तारीफ**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर क्षेत्र का दौरे के दौरान सुरक्षा ग्रिड की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने आगामी अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए की जा रही सुरक्षा संबंधी तैयारियों का भी जायजा लिया। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने सेना प्रमुख को वर्तमान स्थिति और व्यापक रणनीतिक परिदृश्य से अवगत कराया। उन्हें अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए की जा रही सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। इस दौरान सेना प्रमुख के समक्ष उन्नत तकनीकों के एकीकरण पर भी एक प्रस्तुति दी गई। इसका उद्देश्य निर्णय क्षमता, निगरानी और प्रतिक्रिया प्रणाली में और दक्षता लाना है। जनरल द्विवेदी ने जम्मू कश्मीर में तैनात चिनार कॉर्प्स के सभी रैंकों की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियानों के जरिए शांति और स्थिरता बनाए रखने में चिनार कॉर्प्स का योगदान बहुत सराहनीय रहा है। उन्होंने क्षेत्र के विकास और स्थानीय जनसंख्या के उत्थान के लिए की जा रही पहलों की भी तारीफ की। बता दें पिछले दिनों ही सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र स्थित अग्रिम चौकियों का दौरा किया था। वह यहां तैनात जवानों से मिले थे। उन्होंने यहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की और उनकी परिचालन व प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। सेना प्रमुख ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की तारीफ करते हुए उन्हें देश की सीमाओं की रक्षा में निरंतर सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बलों को उच्चतम स्तर की तैयारी और सतर्कता बनाए रखने की जरुरत पर भी बल दिया था। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 जून को जम्मू और कश्मीर में उधमपुर स्थित उत्तरी कमान में करीब 2,500 सैनिकों के बीच पहुंचे थे। इस दौरान रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। यहां ऑपरेशन सिंदूर को आत्म नियंत्रण का एक शानदार उदाहरण बताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन के दौरान संयम, संतुलन और सटीकता का प्रदर्शन किया, जो योग के अभ्यास से प्राप्त उनकी आंतरिक शक्ति का प्रतिबिंब है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अतुल्य भारत, अजेय भारतः मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फ़ीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया।

(लेखक- गजेंद्र सिंह शेखावत)

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ़ देखा ही नहीं गया है – बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ़ परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के ज़रिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के ज़रिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फ़ीनिक्स की तरह उभरा – 2024 में यहां 16 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज़्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया —जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ —न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज़्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए।

यह पर्यटन नहीं था—यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)- संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र 'स्व' को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र – भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें – ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रूपये की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रूपये के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं।

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रूपये की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी – जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया।

पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं – जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही – यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज़, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था।

इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रूपये (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9त्न की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं – इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोज़गार की आधारशिला के रूप में उभरा। पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। 'एक विरासत अपनाएँ' योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक रत्न के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है।

पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। 卐भारत में विवाह卐, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया। इस बीच, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के लिए 2022 में 6 लाख से अधिक विदेशी मरीज आये, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी उपचार स्थलों में से एक बन गया।

2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता, सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन था। दिल्ली तक सीमित रहने के बजाय, खजुराहो से कुमारकोम तक 60 से अधिक गंतव्यों में वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी हुई, जिनमें से प्रत्येक को स्थानीय कला, खान-पान और विरासत के साथ तैयार किया गया था। दुनिया भारत के साथ सिर्फ संवाद नहीं कर रही थी – बल्कि इसे अनुभव भी कर रही थी।

लेकिन आंकड़ों के पीछे, असली परिवर्तन आध्यात्मिक था। भारत ने दुनिया से अपने स्मारकों को देखने के लिए अनुरोध करना बंद कर दिया। देश ने अपनी यादों को महसूस करने, अपनी शांति में स्वस्थ होने और अपनी विविधता का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को आमंत्रित किया।

इस नए भारत में, पर्यटन मौसमी नहीं है – यह सभ्यतागत है। यह वह स्थल है, जहाँ दर्शन का विकास से, जहाँ तीर्थयात्रा का प्रगति से और जहाँ त्योहार का अवसंरचना से मिलन होता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने दुनिया का सिर्फ स्वागत नहीं किया – बल्कि उसे गले लगाया।

जैसे भिक्षु बोधि वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, जैसे तीर्थयात्री केदारनाथ की ठंडी हवा में मंत्रोच्चार करते हैं, जैसे दुल्हनें महलनुमा गुंबदों के नीचे विवाह करती हैं और जैसे सीमावर्ती गाँव उत्सुक यात्रियों की मेजबानी करते हैं, एक सच्चाई हर पवित्र मार्ग और शांत गलियारे में गूंजती है- भारत केवल एक गंतव्य नहीं है, जहाँ की आप यात्रा करते हैं – यह एक ऐसा देश है, जहाँ आप कुछ शाश्वत की तलाश में बार-बार वापस आते हैं।

(केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री, भारत सरकार)

संपादकीय

सोशल मीडिया पर सक्रिय

सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को ट्रोल करने और धमकी देने की घटनाओं में हाल के दिनों में चिंताजनक स्तर तक तेजी आई है। लेकिन असहमति और विरोध की सीमा यदि जान लेने की हद तक जा पहुंचती है तो किसी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिये यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं देश में कठोर नियामक व्यवस्था का न होना भी ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। हालिया घटनाक्रम में बंठिडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी, जिन्हें कमल कौर भाभी के नाम से भी जाना जाता है, की निर्मम हत्या कर दी गई। यह हत्या हमें इस बात की याद दिलाती है कि कथित नैतिकता के नाम पर मोरल पुलिसिंग, जो कभी ऑनलाइन ट्रोलिंग तक सीमित थी, अब हिंसक आपराधिकता में बदल गई है। इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या को अंजाम देने वाला कथित मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरोन, कथित तौर पर कौम दे राखे नामक एक कट्टरपंथी समूह का प्रमुख बताया जाता है। जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा प्रसारित की गई सामग्री को कथित तौर पर अनैतिक कृत्य के रूप में दर्शाते हुए हत्या को सही ठहराने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, हत्याकांड के बाद संयुक्त अरब अमीरात भागने के बाद हत्या को सही ठहराते हुए, एक वीडियो को जारी करना, संकीर्ण मानसिकता का दुस्साहस ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह मामला संकीर्णता के पोषक और कट्टरपंथी तत्वों की सोच से अलग नहीं है। यह उस दुराग्रही सोच की कड़ी का ही हिस्सा है, जो हिंसा और धमकियों के माध्यम से महिलाओं की अभिव्यक्ति पर सोशल पुलिसिंग के जरिये शिकंजा कसने की कोशिश में रहती है। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समूहों द्वारा ऐसे कृत्यों को अंजाम दिया जाता रहा है। पिछले दिनों बेंगलुरु में भी एक महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को केवल उसके पहनावे को अभद्र बताते हुए एसिड हमले की धमकी दी गई। इस धमकी भरे वीडियो के वायरल होने के बाद उस व्यक्ति को उसके नियोक्ता ने नौकरी से निकाल दिया। यह विडंबना ही है कि कभी ऐसे मामले पाकिस्तान व अफगानिस्तान में महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को लेकर सामने आते थे। अब भारत में कथित सांस्कृतिक शुचिता व नैतिकता के नाम पर ऐसे हमले किए जा रहे हैं। एक अन्य खतरनाक घटना में, एक लोकप्रिय यूट्यूब शो में दिखाई देने वाली एक डिजिटल निर्माता अपूर्वा मुखीजा को बलात्कार और जान से मारने की ऑनलाइन धमकी दी गई। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने हस्तक्षेप करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। निस्संदेह, इन घटनाक्रमों का पैटर्न स्पष्ट है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों, विशेष रूप से महिलाओं को कथित सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के नाम पर तेजी से निशाना बनाया जा रहा है। सवाल उठता है कि उनके इन मूल्यों को कौन परिभाषित करता हैज और किसने उन्हें इस सतर्कता को लागू करने का अधिकार दियाज बठिंडा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पंजाब महिला आयोग ने निंदा करके सही कदम उठाया है, लेकिन केवल आधिकारिक निंदा पर्याप्त नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों को सुनियोजित अपराधों के रूप में दर्ज करना चाहिए, जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को खतरा पहुंचाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी इस दिशा में जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे समय रहते सोशल मीडिया के दुरुपयोग रोकें व घृणास्पद सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म से हटाएं। साथ ही सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखें। किसी भी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी एक अपरिहार्य अंग है। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की आजादी की अपनी सीमाएं भी हैं।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस (23 जून) पर विशेष)

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है।

अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं। ध्यान साधना के अनुशासन की पूरी प्रक्रिया शिविर-साधना को आगे बढ़ाती है। साधक की शारीरिक और मानसिक स्थिति में संयम या साधना के अनुशासन की पूर्ण स्वीकृति ही शिविर-साधना का ठोस आधार है।

विचार मंथन

भारत का सबसे पुराना दोस्त ईरान संकट में भारत की चुप्पी असहनीय

(लेखक-सनत जैन)

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने भारत की विदेश नीति को लेकर हिंदू में एक लेख लिखा है। इस लेख के बाद भारत की घरेलू राजनीति में बड़ी हलचल मच गई है। सोनिया गांधी ने भारत की बहुपक्षीय विदेश नीति पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने अपने लेख में लिखा है, कि भारत का सबसे पुराना दोस्त ईरान संकट में है, भारत सरकार चुप है। भारत सरकार मूलभूत कूटनीतिक सिद्धांतों और परंपराओं से पूरी तरह हट गई है। इजराइल ने ईरान पर हमला किया,जिसमें पश्चिम एशिया में एक बड़ा तूफान आ गया है। ईरान हमेशा कहता रहा है, उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्य के लिए है। अमेरिका की खुफिया रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है। इसके बाद भी इजराइल ने ईरान के साथ क्रूरता करते हुए हमला करके उसके बहुत सारे लोगों को मारा गया है। आरोप लगाकर इजराइल ने ईरान पर हमला किया जो आतंक का प्रतीक है। वैश्विक अस्थिरता और सारी दुनिया के देशों को तृतीय विश्व युद्ध मे धकेलना जैसा है। भारत की चुप्पी से सारा देश एवं अन्य देश हैरान हैं। भारत और इजरायल के संबंध पिछले एक दशक में व्यापारिक कारणों से मजबूत हुए हैं। ईरान के साथ हमारे बहुत पुराने संबंध हैं। भारत के हर सुख दुख में ईरान ने भारत का साथ दिया है। भारत के लिए ईरान ऊर्जा का प्रमुख स्रोत रहा है। आयात -निर्यात व्यापार आज भी ईरान के साथ है। चाबहार पोर्ट, इंटरनेशनल साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भारत का आयात और निर्यात व्यापार खाड़ी के देशों में भारत के करोड़ों लोग काम कर रहे हैं। खाडी के देशों से भारत में बहुत पैसा आता है। हमारे आर्थिक और सामरिक हित ईरान के साथ जुड़े हुए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू गांधी से लेकर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तक भारत ने ईरान के साथ अपनी पुरानी परंपराओं राजनीतिक एवं सामरिक हितों में एक दूसरे का हित देखते हुए साथ दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। पिछले एक दशक में भारत ने अमेरिका और पश्चिमी देशों की नाराजी के चलते ईरान से अपनी दूरियां बढाई हैं। मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ाई है। भारत को इजराइल और ईरान के साथ अपने संबंधों को तटस्थता के साथ बनाए रखना था। खाड़ी देशों में शिया सुन्नी विवाद अरब और यहूदियों के बीच के संघर्ष में लगभग 65 वर्षों तक भारत की विदेश नीति भारतीय हितों को सुरक्षित और बेहतर बनाते हुए सभी के साथ बेहतर रिश्ते थे। पिछले 10 वर्षों में यह रिश्ते टूटने के मोड़ पर पहुंच गए हैं। अमेरिका और इजरायल के साथ जरूरत से ज्यादा नजदीकी, चीन के ऊपर आश्रित होने के कारण भारत की विदेश नीति धीरे-धीरे अपनों से भारत को दूर कर रही है। भारत को ऐसे मकड़जाल में फंसा रही है, जिससे भारत का बाहर निकलना बहुत मुश्किल होगा। भारत सरकार की असंवेदनशील और गैर जिम्मेदारी वाली विदेश नीति पर सोनिया गांधी ने बड़ी मुखरता के साथ भारत का पक्ष रखते हुए भारत सरकार की विदेशनीति में गुटनिरपेक्षता, भारत की नैतिक विरासत उपनिवेशवाद विरोधी दृष्टिकोण की सरकार को याद दिलाई है। इजराइल ने पिछले दो वर्षों में जिस तरह से फिलिस्तीन (गाजा) के 55000 से अधिक महिलाओं बच्चों और नागरिकों को हमास के नाम पर मौत के मुंह में ढकेला है। हमास के नाम पर गाजा में नरसंहार किया है। गाजा के बच्चे और महिलाएं भूख से मर रही हैं। इजराइल वहां ना तो दवाई पहुंचने दे रहा है, ना ही रेड क्रॉस को जाने दे रहा है। इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय निर्देशों एवं नियमों का पालन नहीं किया। इस मामले में भारत की भूमिका काफी निराशाजनक रही है। सोनिया गांधी ने अपने पत्र में चिंता व्यक्त करते हुए सरकार की विदेश नीति पर करारा हमला किया है। भारत की वर्तमान विदेश नीति के कारण चीन और रूस जैसी महाशक्तियों से भारत की दूरियां बढ़ती चली जा रही है। ईरान, चीन के निकट होता चला जा रहा है।

ईरान के पक्ष में रूस और चीन खुलकर सामने आ गए हैं। ऐसी स्थिति में भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ अलग-थलग पड़ गया है। अब ईरान जैसे दोस्त को भी खोने जा रहा है। इसका असर भविष्य में भारत पर बड़े पैमाने पर पडना तय है। खाडी के देशों से भारत की दूरियां एवं चीन की निकटता बढ़ती जा रही है। भारत की ऐसी छवि बन रही है, जिसमें भारत अल्पकालीन लाभ के लिए रिश्ते बनाता हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.73 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की तेजी लेकर 77.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली पेट्रोल 94.72, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई पेट्रोल 100.75, डीजल 92.34 रुपए प्रतिलिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76 रुपए प्रति लिटर बिक रहा है।

इस साल दो खदान से उत्पादन शुरू करेगी सीसीएल

रांची । कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन बढ़ेगी। जिससे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार कर सकता है। सीसीएल के अे धिकारी ने यहां मी डियाके मिंयों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है।

म्युचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की योजना बना रहा सेबी

निवेशकों के लिए आसान और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाएगा

मुंबई । सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इसका मकसद निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना और इंडस्ट्री को और मजबूत करना है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के 17वें म्यूचुअल फंड सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम काफी जटिल और लंबे हैं, जिन्हें सरल करने की जरूरत है ताकि निवेशकों की बदलती जरूरतों और इंडस्ट्री की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाया जा सके। उन्होंने बताया` कि सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिस पर लोगों से राय ली जाएगी। हालांकि, उन्होंने नए नियम लागू होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में सलाहकारी सेवाओं से जुड़े नियमों पर भी एक परामर्श पत्र तैयार किया जा रहा है। सेबी का लक्ष्य है कि म्यूचुअल फंड भारत के वित्तीय बाजार को और मजबूत करें और निवेशकों का भरोसा बढ़ाएं। सेबी ने निवेशकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए एक नई प्रोडक्ट श्रेणी एसआईएफ को मंजूरी दी है। यह उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख से 50 लाख रुपये तक का निवेश करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड को इस प्रोडक्ट को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि उनके पास मजबूत ढांचा और खुदरा निवेशकों का अनुभव है। साथ ही पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड के लिए भी तेजी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई है।

स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 का जुर्माना देने का आदेश

- यात्री को गलत टिकट जारी करने का मामला

मुंबई ।

उपभोक्ता आयोग ने एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग ने कहा है कि 2020 में यात्री की यात्रा का मार्ग बदलते समय एयरलाइन ने उसे गलत टिकट जारी किया था। इससे यात्री को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, मुंबई (उपनगर) ने पारित आदेश में, यात्री को मानसिक उत्पीड़न के लिए स्पाइसजेट को सेवा में खामी और लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। घाटकोपर इलाके में रहने वाले शिकायतकर्ता एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उन्होंने पांच दिसंबर, 2020 के लिए मुंबई से दरभंगा और दो दिन बाद वापसी की यात्रा के लिए स्पाइसजेट की टिकट बुक की थी। मुंबई से दरभंगा की यात्रा पूरी हो गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि चूंकि उन्हें आठ दिसंबर, 2020 को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा देनी थी, इसलिए उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था का अनुरोध किया। स्पाइसजेट ने उसी दिन पटना से कोलकाता और फिर कोलकाता से मुंबई की यात्रा के लिए वैकल्पिक टिकट उपलब्ध कराया। हालांकि, पटना पहुंचने पर, हवाई अड्डा अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जारी किया गया टिकट गलत था, क्योंकि कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान उनके कोलकाता पहुंचने से पहले ही रवाना होने वाली थी।

इस गड़बड़ी के कारण शिकायतकर्ता को अगली सुबह के लिए अपने खर्च पर दूसरी उड़ान बुक करनी पड़ी, जिससे उसे काफी परेशानी, मानसिक पीड़ा और वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा।

भू-राजनीतिक तनाव से 63 प्रतिशत कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोकीं : रिपोर्ट

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के दौरान भू-राजनीतिक तनाव से भारतीय कंपनियों भी प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने का फैसला किया या अपने कर्मचा रियों ने छंटनी करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या 'फ्रीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनपर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 प्रतिशत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित हुई है। 21 प्रतिशत ने कहा कि टीम का मनोबल और नौकरी का भरोसा कम हो रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही चेतावनी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं। वहीं 26 प्रतिशत ने कहा कि वे थोड़े चिंतित हैं।

इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों का कारोबार भी शेयर बाजार को प्रभा वित करेगा

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा इजरायल-ईरान संघर्ष और इससे वैश्विक आपूर्ति प्रभो वित होने और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां शेयर बाजार की चाल पर प्रभाव डालेगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बीते सप्ताह पश्चिम एशिया के संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को नजरअंदाज करते हुए शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस सप्ताह वैश्विक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इसमें ईरान और इजरायल के बीच भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक मानसून की प्रगति, मासिक अनुबंधों के निपटान से संबंधित अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक अभी अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक अमेरिका के आगामी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर और व्यक्तिगत उपभोग खर्च के आंकड़ों पर भी कड़ी नज़र रखेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें भारत के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। निवेशक अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अलावा भू-राजनीतिक मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा` कि अप्रैल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की प्रवृत्ति में उलटफेर हुआ तथा मई में इसमें काफी मजबूती आई। मई में दर्ज किया गया निवेश पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक रहा, जो भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष सहित अन्य भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से जून में बाजार में सतर्कता के साथ आशावादी रुख देखने को मिल रहा है।

बीते सप्ताह सरसों, पाम-पामोलीन, बिनौला तेल में तेजी, मूंगफली में गिरावट रही

- सोयाबीन व मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे रहे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पाम-पामोलीन और सोयाबीन तेल, सरसों तेल-तिलहन के भाव में तेजी का रुख रहा। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई। बाजार के जानकारों ने कहा` कि सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के अच्छे दाम नहीं मिलने और तेल पेराई मिलों की मांग में कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के भाव पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहे। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश का तेल-तिलहन कारोबार मुख्यत: शिकॉगो और मलेशिया एक्सचेंज के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है, जहां लगभग पूरे सप्ताह तेजी बनी रही। विदेशी बाजारों की इस तेजी की वजह से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा सोयाबीन तेल कीमतों में समीक्षाधीन सप्ताह में सुधार आया। लेकिन सोयाबीन डीओसी के बेहतर दाम नहीं मिलने की वजह से देशी पेराई मिलें सोयाबीन खरीद में कम दिलचस्पी ले रही हैं। इसके अलावा हाजिर बाजार में सोयाबीन के साथ-साथ मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे है। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 4,425-4,475 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बने रहे। वहीं सोयाबीन दिल्ली का दाम 100 रुपये बढ़कर 12,700 रुपये, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये तेज होकर 9,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली फसल मंडियों में आने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये टूटकर 5,675-6,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश: 150 और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 13,650 रुपये क्विंटल और 2,210-2,510 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये बढ़कर 14,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारतीय बाजार में बिक्री बढ़ाने यूरोपीय ब्रांड कर रहे संघर्ष

नई दिल्ली ।

पिछले तीन वित्त वर्षों में भारतीय बाजार में यूरोपीय ब्रांडों की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। यूरोप के प्रमुख वाहन ब्रांड रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वैश्विक वाहन उद्योग को आंकड़े और विश्लेषण उपलब्ध कराने वाली एक कंपनी ने कहा कि भारत में रेनों की बिक्री में बड़ी गिरावट देखी गई है। भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 2024-25 में घटकर 37,900 इकाई रह गई। यह आंकड़ा 2023-24 में 45,439 इकाई और 2022-23 में 78,926 इकाई था। इसी तरह स्कोडा की भारतीय बाजार में बिक्री 2024-25 में 44,866 इकाई रही। यह 2023-24 के 44,522 इकाई से मामूली अधिक है। हालांकि, 2022-23 के आंकड़े 52,269 इकाई से काफी कम है। दूसरी ओर, फॉक्सवैगन ब्रांड ने 2024-25 में 42,230 गाड़ियां बेचीं। 2023-2024 में कंपनी की बिक्री 43,197 इकाई और 2022-2023 में 41,263 इकाई रही थी।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के निरीक्षणों, लेखा परीक्षा का मांगा ब्योरा

मुंबई ।

विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने उड़ान संचालन निरीक्षकों से 2024 से एयर इंडिया के लिए किए गए निरीक्षणों और लेखा परीक्षा का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुता बिक उन्होंने कहा कि निरीक्षणों और लेखा परीक्षा के निष्कर्षों का ब्योरा रविवार तक जमा करना होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ई-मेल के जरिए भेजे गए संदेश में 2024 और 2025 के लिए ये विवरण मांगे हैं। नियामक ने इससे एक दिन पहले एयरलाइन को उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और कुछ खामियों के लिए एयरलाइन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाने का आदेश दिया था। ईमेल के अनुसार नियोजित और अनियोजित निरीक्षण, लेखा परीक्षा, कॉकपिट/मार्ग, स्टेशन सुविधा, रैंप और केबिन निरीक्षण आदि पर विवरण मांगा गया है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.62 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,62,288.06 करोड़ रुपये बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,055.96 करोड़ रुपये बढ़कर 11,04,469.29 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 50,070.14 करोड़ रुपये बढ़कर 19,82,033.60 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 38,503.91 करोड़ रुपये बढ़कर 15,07,281.79 करोड़ रुपये हो गया। वहीं इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 8,433.06 करोड़ रुपये जोड़े और कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,73,751.09 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,012.13 करोड़ रुपये बढ़कर 10,18,387.76 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक की 3,212.86 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 7,10,399.75 करोड़ रुपये हो गई। इस रुख के` विपरीत बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 17,876.42 करोड़ रुपये घटकर 5,62,175.67 करोड़ रुपये रह गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के मूल्यांकन में 4,613.06 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 12,42,577.89 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 3,336.42 करोड़ रुपये घटकर 5,41,557.29 करोड़ रुपये रह गया।

मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी, मुकदमा दर्ज

- ठग ग्राहकों तक बना रहे अपनी पहुंच

नोएडा ।

नोएडा में मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी हो गया है। इससे ठग ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्राहकों के शिकायत पर कंपनी प्रबंधन ने जानकारी कि तो डेटा में सेंधमारी होने का पता चला। कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली द्वारिका के रहने वाले जसविंदर सिंह अहलूवालिया की सेक्टर 60 में अग्रवाल मूवर्स एंड पैकर्स के नाम से कंपनी का कार्यालय है। वह कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ हैं। उनका कंपनी प्रबंधन एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन है, जो देशभर के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। इनमें वरिष्ठ नौकरशाह, रक्षा कर्मी, न्यायाधीश, राजनयिक और प्रमुख नागरिक शामिल हैं। एक जून से ग्राहकों के पास ठगों के काल पहुंचने की शिकायत मिल रही हैं। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने लाजिस्टक संबंधी जानकारी केवल कंपनी प्रबंधन के साथ ही साझा की थी। इस जानकारी के साथ ही अन्य लोगों की काल आ रही है। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन की चूक के चलते ही उनकी जानकारी लीक हो रही है। इसका पता चलने पर कंपनी प्रबंधन ने संज्ञान लिया जबकि वह डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय केंद्रीकृत साइबर सुरक्षा रखते हैं। कड़ी सुरक्षा के बाद भी प्रबंधन को पता चला है कि अवैध साइबर घुसपैठ हो रही है। इससे ग्राहकों के नाम, पते व सामान की जानकारी का दुरुपयोग किया जा रहा है। वह इसके संबंध में तकनीकि ऑडिट भी करा चुके हैं। उन्होंने डेटा हैकिंग, डेटा चोरी और दुरुपयोग के संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। डीसीपी साइबरने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

चंदा कोचर ने रखा था एचडीएफसी-आईसीआईसीआई मर्जर का प्रस्ताव: दीपक पारेख

- मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की अहम भूमिका रही

मुंबई ।

एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई साल पहले आईसीआईसीआई बैंक की तत्कालीन प्रमुख चंदा कोचर ने एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के बीच मर्जर का प्रस्ताव रखा था। यह बात पारेख ने चंदा कोचर के यूट्यूब चैनल पर एक बातचीत के दौरान शेयर की। उन्होंने कहा` कि मुझे याद है, आपने मुझसे कहा था कि आईसीआईसीआई ने ही एचडीएफसी को शुरू किया था, तो क्यों न आप वापस घर आ जाएं। पारेख ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उनका कहना था कि यह मर्जर एचडीएफसी के नाम और बैंक के लिए सही नहीं होता। यह बात पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुई, लेकिन अब वह इसे शेयर करने में सहज हैं। गौरतलब है कि एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक का बहुप्रचारित रिवर्स मर्जर जुलाई 2023 में पूरा हुआ था। इस मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अहम भूमिका रही। आरबीआई ने इस मर्जर को बढ़ावा दिया। एचडीएफसी जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि उनकी संपत्ति 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी थी। आरबीआई का मानना था कि 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाली संस्थाओं को मर्जर जैसे कदम उठाने चाहिए। पारेख ने कहा` कि आरबीआई ने हमें सपोर्ट किया और कुछ हद तक इस मर्जर के लिए प्रेरित किया, लेकिन कोई छूट नहीं दी गई। चीन के बैंकों को देखिए, कितने बड़े हैं। हमें भी भारत में बड़े और मजबूत बैंक बनाने होंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारतीय बैंकों को अधिग्रहण के जरिए और बड़ा होना चाहिए। पारेख ने वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन, व्यापार नीतियों और निर्यात की अनिश्चितताओं को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने इंश्योरेंस सेक्टर को लेकर कहा कि यह भारत में सबसे कम समझा जाने वाला प्रोडक्ट है। उन्होंने बैंकों द्वारा अच्छे कमीशन के लालच में गलत तरीके से इंश्योरेंस बेचने की प्रथा की भी आलोचना की।

भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति बदली

- रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

नई दिल्ली ।

इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने रविवार सुबह ईरान में तीन स्थलों पर हमला किया। वह इस युद्ध में सीधे इजरायल के साथ शामिल हो गया है। इजरायल ने 13 जून को सबसे पहले ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। एक वैश्विक व्यापार विश्लेषक कंपनी के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं। यह दो साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसके साथ ही यह इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कुवैत से खरीदी गई कुल मात्रा से अधिक है। मई में रूस से भारत का तेल आयात 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था। जून में अमेरिका से भी आयात बढ़कर 4,39,000 बीपीडी हो गया। पिछले महीने यह आंकड़ा 2,80,000 बीपीडी था।

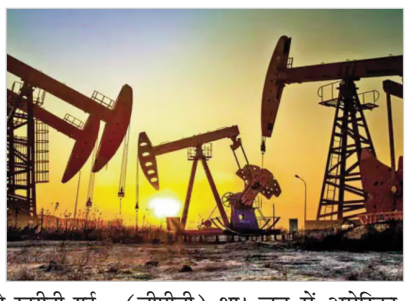

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब बीसीसीआई की अनुमति के बाद ही जीत का जश्न मना सकेंगे राज्य क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ से सबक लेते हुए अब सख्त दिशानिर्देश जारी किये हैं। पिछले माह आरसीबी के इस जश्न के दौरान बेंगलुरु के चिदांबरम स्टेडियम में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। बीसीसीआई का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए अब सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्डों को नियमों का पालन करना पड़ेगा। इसके तहत जीत के बाद कोई भी इवेंट या रोड शो के लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि बोर्ड बेंगलुरु भगदड़ मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी हादसे से बचने के लिए हर बात पर गंभीरता से विचार किया है। सैकिया के अनुसार आईपीएल के बाद जश्न मनाने के लिए सभी टीमों को उसके नियमों का पालना करना होगा। इसके तहत

कोई भी टीम ट्रॉफी जीतने के 3 से 4 दिन तक समारोह आयोजित नहीं कर सकेगी। जल्दबाजी में किसी जश्न का आयोजन नहीं होगा और खराब प्रबंधन से वह बच नहीं सकेगी। किसी भी इवेंट के आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की मंजूरी के बाद ही कोई इवेंट आयोजित किया जाएगा। किसी भी इवेंट में 4 से 5 स्तर की सुरक्षा होगी। इर स्तर पर एक स्थल यात्रा के दौरान बीच में होना चाहिये।

एयरपोर्ट से इवेंट स्थल तक सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी प्रकार की अव्यस्था नहीं होनी चाहिये। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए पूरे इवेंट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिये। जिला पुलिस, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से इवेंट के लिए अनुमति जरुरी रहेगी। इवेंट को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए नागरिक और कानून प्रवर्तन निकायों की भी अनुमति जरुरी रहेगी। वहीं इससे पहले कर्नाटक सरकार ने भी जश्न को लेकर कड़े दिशानिर्देश दिये थे जिन्हें तोड़ने प जुर्माने के साथ ही सजा भी मिलेगी।

उबली हुई सब्जियां, नारियल पानी शामिल हैं नीरज चोपड़ा की डाइट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा, जब ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर मुकाबले में बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही। उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर 87.88 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह जीत नीरज के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि इससे पहले वह दोहा डायमंड लीग और जानुज कुसोसिंस्की मेमोरियल में लगातार दो बार दूसरे स्थान पर रहे थे, जिनमें स्वर्ण पदक वेबर ने जीता था। नीरज की यह वापसी सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक रूप से भी प्रेरणादायक रही। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई भाला फेंक एथलीट बने थे। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा और फिर पेरिस ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करते हुए नीरज ने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। खेल में उत्कृष्टता के पीछे सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवनशैली और सटीक डाइट का भी बड़ा योगदान होता है। नीरज चोपड़ा इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। कभी पूर्ण रूप से शाकाहारी रहे नीरज अब प्रोटीन युक्त और बैलेंस्ड डाइट लेते हैं। उनका दिन नाश्ते में ओट्स, अंडे, फल और नारियल पानी से शुरू होता है। दोपहर को वे दही-चावल, दाल, सब्जियां और ग्रिल्ड चिकन लेते हैं, जबकि ट्रेनिंग के बीच चिया सीड्स, सूखे मेवे और फल उनके ऊर्जा स्रोत होते हैं। रात को उबली सब्जियां, सूप और सलाद लेते हैं और सोने से पहले दूध और खजूर से दिन खत्म करते हैं। नीरज मानते हैं कि प्राकृतिक और संतुलित आहार ही फिटनेस की कुंजी है। उनका कहना है कि यह डाइट सिर्फ एथलीट्स के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए भी उपयोगी है, जो एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहते हैं। तले-भुने भोजन से परहेज और पौष्टिक विकल्पों की प्राथमिकता ही उनके निरंतर प्रदर्शन का मूल मंत्र है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

- आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, 'रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।'

वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।'

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। ÷हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं,÷ वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफ्रा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

जसप्रीत बुमराह ने वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बने

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। बुमराह ने भारत के 471 रन पर ऑल आउट होने के बाद महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट लिए। ऐसा करके बुमराह ने स्वह्न देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दूसरे दिन के अंत तक कुल 2 विकेट झटके और

स्वह्न देशों में 60 पारियों में 148 विकेट लिए। उन्होंने स्वह्न देशों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 146 विकेट लिए थे। इसके बाद अनिल कुंबले (141), इशांत शर्मा (130) और मोहम्मद शमी (123) का नम्बर आता है। इससे पहले इंग्लैंड के मार्क वुड ने मौजूदा 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह 'खेल को बदलने' की क्षमता रखते हैं। खेल के सभी प्रारूपों में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बन गए हैं। 31 वर्षीय बुमराह को भारत की युवा टीम में इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। वुड ने इस बात पर जोर दिया कि 'खतरनाक' बुमराह किसी भी खेल चरण में कहर बरपा सकते हैं। वुड ने कहा, 'वह सभी प्रारूपों में एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो वास्तव में खतरनाक हैं। मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि उन्हें समझना और उनका सामना करना वाकई मुश्किल है। वह जितना आप सोचते हैं उससे कहीं ज़्यादा तेज़ हैं। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और वह मैच के किसी भी हिस्से में खतरनाक हैं। बुमराह खेल को बदल सकते हैं।'

कनाडा ने भारत-श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ओंटारियो - कनाडा की पुरुष क्रिकेट टीम ने अमेरिकी क्वालीफायर में बहामास को सात विकेट से हराकर अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। कनाडा की यह लगातार पांचवीं जीत थी। कनाडा ने पिछले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप भी खेला था। बीस टीमों के टूर्नामेंट में गत चैम्पियन भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी खेलेंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'सात और टीमें अभी इन टीमों से जुड़ेंगी जिनमें से दो यूरोपीय क्वालीफायर (पांच से 11 जुलाई), दो अफ्रीकी क्वालीफायर (19 सितंबर से चार अक्टूबर) और तीन एशिया ईएपी क्वालीफायर (एक से 17 अक्टूबर) से आएंगी।' कनाडा ने यहां खेले गए क्वालीफायर में 57 रन का लक्ष्य छह ओवरों में हासिल कर लिया। पहले गेंदबाजी करते हुए कनाडा ने स्पिनर कलीम सना और शिवम शर्माके तीन तीन विकेट की मदद से बहामास को 19.5 ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत बाजवा के नाबाद 36 रन की बदौलत लक्ष्य 5.3 ओवर में हासिल कर लिया।

तीसरे दिन काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे खिलाड़ी

लीड्स । भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूर्व तेज गेंदबाज डेविड लॉरेंस के सम्मान में रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन काली पट्टियां बांधी। लॉरेंस का रविवार को 61 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लॉरेंस ने 1988 से 1992 के बीच इंग्लैंड के लिए पांच टेस्ट (18 विकेट) और एक वनडे (चार विकेट) खेला। लॉरेंस को सिड उपनाम से जाना जाता था। लॉरेंस इंग्लैंड की तरफ से खेलने वाले ब्रिटिश मूल के पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। वह पिछले साल से मोटर न्यूरॉन बीमारी (एमएनडी) से जूझ रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'दोनों टीमों के खिलाड़ी इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड 'सिड' लॉरेंस को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए काली पट्टी बांधकर खेल रहे हैं। लॉरेंस का रविवार को निधन हो गया था।' लॉरेंस को 2024 में इस रोग का पता चला, जिसका कोई उपचार नहीं है। यह बीमारी मस्तिष्क और तंत्रिकाओं को प्रभावित करती है, जिससे मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं। ग्लूस्टरशर के दिग्गज खिलाड़ी लॉरेंस ने 185 प्रथम श्रेणी मैच में 515 विकेट और 113 लिस्ट ए मैच में 155 विकेट लिए। तेज गेंदबाज लॉरेंस 1992 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गए थे जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेल पाए।

ऋषभ के गुलाटी लगाने पर बोले शास्त्री ये उसका अपना स्टाइल

लीड्स । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इमसें वह शतक लगाने के बाद गुलाटी लगाते हुए दिखे। अब इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा व पूर्व क्रिकेटकीप दिनेश कार्तिक की प्रतिक्रिकेया सामने आयी है। शास्त्री ने कहा कि यह उनका अपना ही स्टाइल है। ऋषभ ने 178 गेंदों में 134 रन बनाने के साथ ही अपना सातवां शतक लगाया। शास्त्री ने कहा कि पंत शायद बहुत कम उम्र से ही जिम्नास्टिक कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा, 'इसमें कुछ गलत नहीं है । वह ऐसा ही है और उसे ऐसा ही रहने दें। वह अलग है। बहुत कम उम्र से ही उसने काफी जिम्नास्टिक किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अगर मैने भी कोशिश की होता तो शायद सीधे पूल में जाता। ऋषभ ने साल 2022 में हुए कार हादसे के बाद वापसी करते हुए जिस प्रकार से खेल पर मैदान पर वापसी की है। इससे खेल के प्रति उनके जुनून का अंदाजा होता है। इतनी सारी सर्जरी के बाद इस तरह से उन्हें गुलाटी लगाते हुए देखकर सभी हैरान हुए हैं। वहीं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'ऋषभ तो ऋषभ है और हमेशा कुछ अलग करता है। वह बहुत अच्छे से यह करता है। किसी ने सोचा नहीं था कि वह ऐसा करेगा। मैने कभी कोशिश नहीं की। इसके लिए मुझे काफी अभ्यास करना होगा। वहीं पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'मैं ऐसा कुछ नहीं कर सकता और न ही उसकी तरह बल्लेबाजी कर सकता हूं। दोनों मोर्चों पर विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी वह अपेक्षाओं से परे प्रदर्शन करता है।

जो कुछ मिला उससे खुश हूं : रोहित

-25 साल पहले कुछ नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें अपने करियर में किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित ने कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया उससे वह खुश हैं क्योंकि 25 साल पहले उनके पास कुछ नहीं था जबकि आज उन्होंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा है और मैं इससे खुश हूं। किसी बात का पछतावा उनको नहीं है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं हालांकि 2023 एकदिवसीय विश्वकप

के फाइनल में वह टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। रोहित ने दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और गीता बसरा के हू इज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार पूछा गया कि आपको जीवन में किस बात का पछतावा है? तो मैंने हमेशा सामने वाले से पूछा है कि किस बात का पछतावा? अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे इतना सब कुछ दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है जो आपके लिए लिखा गया है, इसलिए यह लिखा गया था और मैं इससे बहुत खुश हूं।रोहित ने साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इससे पहले वह अंडर 19 विश्व कप में भी खेले। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिला। उनकी कप्तान में भारत को दो एशिया कप, एक टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा कई सीरीज में जीत मिली।

तीन शतक के बाद भी 500 से कम रन बनाने वाली तीसरी टीम बनी टीम इंडिया

लीड्स । यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल 147 के अलावा यशस्वी जायसवाल 101 और ऋषभ पंत 134 ने भी शतक लगाये। इसके बाद भी भारतीय टीम के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड दर्ज हुआ है। वह है तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी पहली पारी में काफी कम स्कोर 471 रन बनना। इस प्रकार वह तीन शतकों के बाद भी 500 रन न बना पाने वाली तीसरी टीम बनी है। इससे पहले तीन खिलाड़ियों के शतकों के बाद 500 से कम स्कोर पर आउट होने वाली टीमें है। दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज। इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम ने साल 2016 में तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम स्कोर बनाया था। इसके अलावा तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम रन बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज की टीमों का भी नाम है, ये सभी टीमें भी तीन बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने के बाद भी एक बार 500 रनों तक नहीं पहुंच पायीं थी। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 147 रनों की पारी खेली, वहीं ऋषभ पंत ने 134 तो यशस्वी जायसवाल ने 101 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ सेंचुरियन में साल 2016 में तीन शतक के बाद भी 475 रन जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में साल 1924 में तीन शतक के बाद भी 494 और वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ कोलकाता में साल 2002 में 497 रन ही बनाये थे।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

लीड्स। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विवार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया।'शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

जो रूट ने जयसूर्या को पछाड़ा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बने

लीड्स (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या को पछाड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बन गए। रूट ने लीड्स में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चार्ट में यह बढ़त हासिल की। ??अपनी पारी के दौरान उन्होंने 58 गेंदों में दो चौकों की मदद से 28 रन बनाए। वे अंततः 25 पारियों में 10वीं बार जसप्रीत बुमराह का शिकार बने, उनके खिलाफ उनका औसत 29 रहा।

रूट ने 366 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 479 पारियों में 49.30 की औसत से 21,053 रन बनाए हैं जिसमें 54 शतक और 112 अर्द्धशतक शामिल हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है। वे टेस्ट और वनडे सहित सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका के दिग्गज जयसूर्या ने 651 पारियों में 34.14 की औसत से 42 शतकों और 103 अर्द्धशतकों की मदद से 21,032 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 340 है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भारतीय आइकन सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने 664 मैचों की 782 पारियों में 48.52 की औसत से 100 शतकों और 164 अर्द्धशतकों की मदद से 34,357 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है। टेस्ट क्रिकेट में रूट ने 154 मैचों की 280 पारियों में 50.71 की औसत से 36 शतकों और 65 अर्द्धशतकों की मदद से 13,034 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

रूट ने वनडे में 180 मैचों और 169 पारियों में 49.14 की औसत से 7,126 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। 32 टी20आई और 30 पारियों में उन्होंने 35.72 की औसत से 893 रन बनाए हैं, जिसमें 126.30 की स्ट्राइक रेट और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90* है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने दूसरे दिन 209/3 के स्कोर पर दिन का अंत किया जिसमें ओली पोप (100*) और हैरी ब्रुक (0*) नाबाद रहे। बेन डकेट (94 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 62) के अर्धशतक और पोप के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने जैक क्रॉली के जल्दी आउट होने के बाद इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) ने समय पर स्ट्राइक देकर इंग्लैंड के लिए मुश्किलें खड़ी कीं, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से बमुश्किल ही सहयोग मिला। इंग्लैंड अभी 262 रन से पीछे है।

इससे पूर्व पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल (159 गेंदों में 101 रन, 16 चौके), कप्तान शुभमन गिल (227 गेंदों में 147 रन, 19 चौके और एक

छक्का) और ऋषभ पंत (178 गेंदों में 134 रन, 12 चौके और छह छक्के) के शतकों की बदौलत भारत ने 471 रन बनाए। एक समय स्कोर 430/4 था, कप्तान बेन स्टोक्स (4/66) और जोश टंग (4/86) ने टीम को ढेर कर दिया। लेकिन जायसवाल और पंत की पारियों ने टीम को संभाला और 471 रन बनाने में मदद की।

बुमराह को बार-बार गेंदबाजी के लिए लगाने से उनपर दबाव पड़ेगा : कार्तिक

लीड्स । पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से अधिक दबाव नुकसानदेह रहेगा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन ने 13 ओवर गेंदबाजी की थी और तीन विकेट लिए थे। वहीं अन्य गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने 36 ओवर किये पर एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में विकेट के लिए बार-बार उन्हें लाना पड रहा था। कार्तिक ने इसी को लेकर चिंता जताई और कहा है कि कप्तान को बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालने अन्य गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना होगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'बुमराह और बाकी गेंदबाजों के बीच बहुत ज्यादा अंतर रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को देखकर लग रहा था कि वे किसी प्रका बुमराह का स्पेल निकला देना चाह रहे थे जिससे उनके पास बाद के ओवरों में अधिक अच्छा अवसर रहे।' इससे भारतीय कप्तान पर दबाव पड़ेगा और वह बुमराह के पास जाएंगे।' साथ ही कहा कि बुमराह को अपने शरीर का भी ध्यान रखना होगा.' कार्तिक ने साथ ही कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें टेस्ट में थकान के कारण ही बुमराह ने कप्तानी की दौड़ से अपने को बाहर कर लिया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट ही खेल सकते हैं। एक दिन में जब बड़ी मुश्किल से 60 ओवर फेंके जाते हैं तब बुमराह ने पहले ही दिन 13 ओवर फेंक दिए। इससे साफ है कि हर बार जब आपको विकेट की जरूरत होती है, तो बुमराह को लाना पड़ा।' कार्तिक ने साथ ही कहा,' वह हमेशा टीम के लिए अधिक से अधिक विकेट लेते हैं। इसलिए आप उस आदत में पड़ जाते हैं पर दूसरों को निश्चित रूप से प्रेरित करने का तरीका अब कप्तान को तलाश होगा। वहीं अन्य गेंदबाजों को भी कहना होगा कि मैं तैयार हूं, मुझे गेंद दो, यह मेरी योजना है, मैं गेंदबाज करना चाहता हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

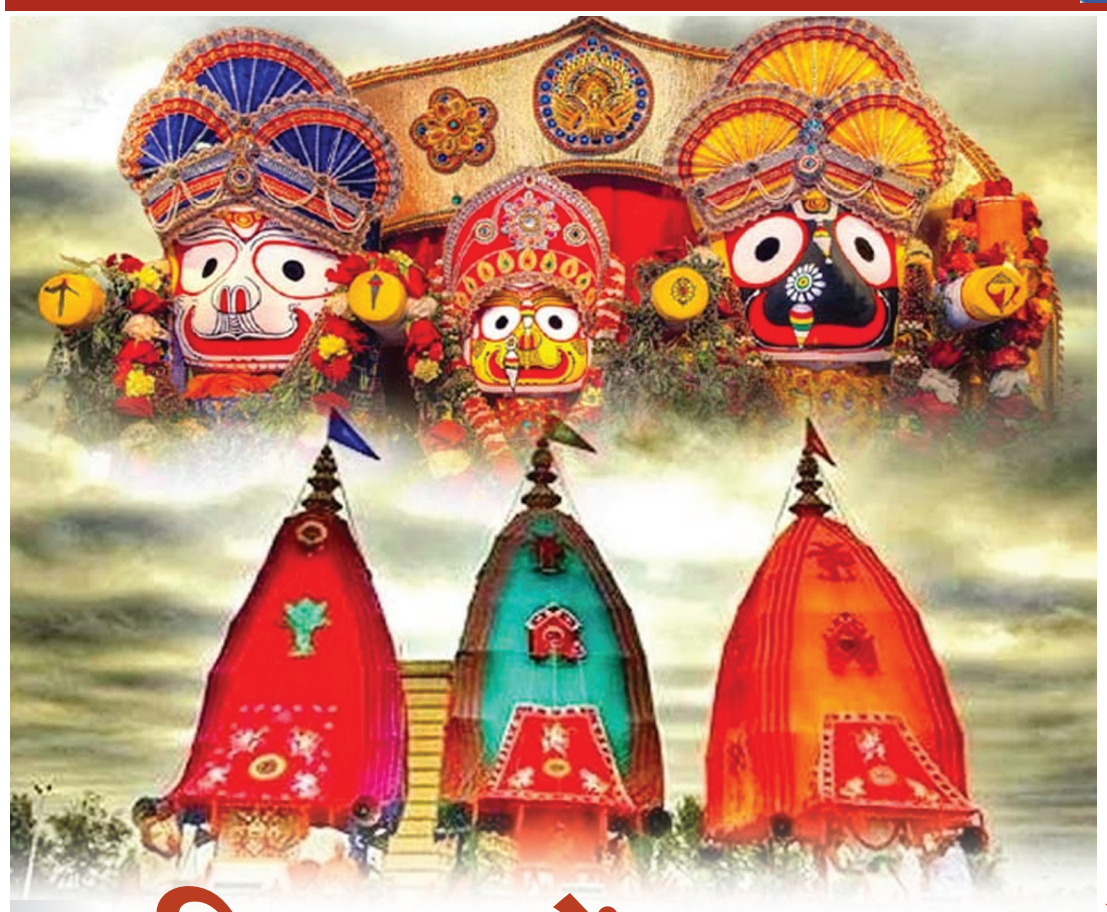

आखिर क्यों रथयात्रा से पहले 15 दिन तक एकांतवास में रहते हैं भगवान जगन्नाथ?

जगन्नाथ रथयात्रा के पहले प्रभु जगन्नाथ को 108 कलशों से शाही स्नान कराया जाता है। फिर 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। आखिर उन्होंने क्यों एकांत में 15 दिन के लिए रखा जाता है और उसके बाद ही रथयात्रा प्रारंभ होती है? जानते हैं इस रहस्य को।

कथा के अनुसार प्रभु जगन्नाथ के कई भक्तों में से एक थे माधवदास। बचपन में ही उनके माता पिता शांत हो गए थे तो बड़े भाई के आग्रह पर उन्होंने विवाह कर लिया और अंत में भाई भी उन्हें छोड़कर संन्यासी बन गए तो उन्हें बहुत बुरा लगा। फिर एक दिन पत्नी का अचानक देहांत हो गया तो वे फिर से अकेले रह गए। पत्नी के ही कहने पर वे बाद में जगन्नाथ पुरी में जाकर प्रभु की भक्ति करने लगे।

माधवदास के संबंध में बहुत सारी कहानियां प्रचलित है उन्हीं में से एक कहानी है प्रभु जगन्नाथ के 15 दिन तक बीमार पड़ने की कहानी। प्रभु जगन्नाथ रथयात्रा के 15 दिन पहले बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिन तक बीमार रहते हैं।

माधवदासजी जगन्नाथ पुरी में अकेले ही रहते थे। वे अकेले ही बैठे बैठे भजन किया करते थे और अपना सारा काम खुद ही करते थे। प्रभु जगन्नाथ ने उन्हें कई बार दर्शन दिए थे। वे नित्य प्रतिदिन श्री जगन्नाथ प्रभु का दर्शन करते थे और उन्हीं को अपना मित्र मानते थे।

एक बार माधवदास जी को अतिसार (उलटी-दस्त) का रोग हो गया। वह इतने दुर्बल हो गए कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो गया। फिर भी अपना सारा काम खुद किया करते थे।

उनके परिचितों ने कहा कि महाराज हम आपकी सेवा करें तो माधवदासजी ने कहा कि नहीं, मेरा ध्यान रखने वाले तो प्रभु श्रीजगन्नाथजी है। वे कर लेंगे मेरी देखभाल, वही मेरी रक्षा करेंगे।

फिर धीरे धीरे उनकी तबीयत और बिगड़ गई और वे उठने-बैठने में भी असमर्थ हो गए तब भगवान श्रीजगन्नाथ जी स्वयं सेवक बनकर इनके घर पहुंचे और माधवदासजी से कहा कि हम आपकी सेवा करें। उस वक्त माधवदासजी की बेसुध से ही थे। उनका इतना रोग बढ़ गया था की उन्हें पता भी नहीं चलता था कि कब मल-मूत्र त्याग देते थे और वस्त्र गंदे हो जाते थे।

भगवान जगन्नाथ ने उनकी 15 दिन तक खूब सेवा की। उनके गंदे कपड़ों को भी धोया और उन्हें नहलाया भी। जब माधवदास जी को होश आया, तब उन्होंने तुरंत पहचान लिया कि यह तो मेरे प्रभु ही हैं। यह देखकर माधवदासजी ने पूछा, प्रभु आप तो त्रिलोक के स्वामी हैं, आप मेरी सेवा कर रहे हैं। आप चाहते तो मेरा रोग क्षण में ही दूर कर सकते थे। परंतु आपने ऐसा न करके मेरी सेवा क्यों की?

प्रभु श्री जगन्नाथ जी ने कहा- देखो माधव! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता। इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की है। दूसरी बात यह कि जिसका जैसा प्रारब्ध होता है उसे तो वह भोगना ही पड़ता है। मैं नहीं चाहता था कि तुम्हें प्रारब्ध का भोगना न पड़े और फिर से जन्म लेना पड़े। अगर उसको भोगेगे-काटोगे नहीं तो इस जन्म में नहीं तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की। परंतु तुम फिर भी कह रहे हो तो अभी तुम्हारे हिस्से के 15 दिन का प्रारब्ध का रोग और बचा है तो अब 15 दिन का रोग मैं ले लेता हूं और अब तुम मुक्त हो। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ खुद 15 दिन के लिए बीमार पड़ गए।

इस घटना की स्मृति में तभी से रथयात्रा के पूर्व प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। तब 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। इस 15 दिनों की अवधि में महाप्रभु को मंदिर के प्रमुख सेवकों और वैद्यों के अलावा कोई और नहीं देख सकता। इस दौरान मंदिर में महाप्रभु के प्रतिनिधि अलारनाथ जी की प्रतिमा स्थपित की जाती हैं तथा उनकी पूजा अर्चना की जाती है। 15 दिन बाद भगवान स्वस्थ होकर कक्ष से बाहर निकलते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। जिसे नव यौवन नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद द्वितीया के दिन महाप्रभु श्री कृष्ण और बडे भाई बलराम जी तथा बहन सुभद्रा जी के साथ बाहर राजमार्ग पर आते हैं और रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

सियार, हंस, कौआ और हाथी सहित भगवान शनि के 9 वाहन बनाते हैं आपका भाग्य

हिन्दू धर्म में शनि एक देवता और नवग्रहों में एक प्रमुख ग्रह माने गए हैं। वे सूर्यदेव और छाया (संवर्णा) के पुत्र हैं। शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। इस संबंध में मान्यता यह भी हैं कि शनि के प्रकोप से धनवान भी दरिद्र बन जाता है। कई लोग इन्हें कठोर मानते हैं, परंतु ऐसा सही नहीं है क्योंकि शनिदेव का न्याय निष्पक्ष होता है।

ज्योतिष शास्त्र में भी शनिदेव को बहुत अधिक महत्व प्राप्त हुआ है। शनिदेव के 9 वाहन माने जाते हैं और वे अलग-अलग वाहनों पर सवारी करते हुए उनके स्वरूप के अनुसार अलग-अलग प्रभाव भी देते हैं। अत- ऐसे समय में कुंडली में शनिदेव की स्थिति को देखते हुए उनके प्रकोप से बचने के लिए उनके अलग-अलग स्वरूपों की आराधना करनी चाहिए।

- **सियार**- यदि शनिदेव का वाहन सियार हो तो अशुभ सूचनाएं मिलने की संभावनाएं ज्यादा बढ़ जाती है, अत- ऐसी स्थिति निर्मित हो तो हिम्मत से काम लेना चाहिए। इस दौरान शुभ फल नहीं मिलता है।
- **हंस**- यदि भगवान शनि का वाहन हंस है तो यह ही बहुत शुभ होता है, क्योंकि इसे शनिदेव के सभी वाहनों में सबसे अच्छा वाहन कहा गया है। इस अवधि में आप अपनी बुद्धि औए मेहनत के बल पर अपने भाग्य का पूरा सहयोग ले सकते हैं तथा इस दौरान आर्थिक स्थिति में काफी सुधार भी देखने को मिलता है।
- **कौआ**- शनिदेव का वाहन कौआ यदि हैं तो हमें यह समय शांति और संयम से निकालना चाहिए, क्योंकि यदि शनि की सवारी कौआ हैं तो इस अवधि में घर-परिवार में कलह बढ़ने, ऑफिस में टकराव की स्थिति निर्मित होती है या यह किसी मुद्दे को लेकर कलह का संकेत भी माना जाता है, अत- इस समय किसी भी मसले को आसान बातचीत के जरिये हल करना अच्छा रहता है।
- **हाथी**- शनि का वाहन यदि हाथी हो तो इसे शुभ नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि यह आशा के विपरीत फल मिलने का समय होता है, अत- इस स्थिति में साहस और हिम्मत से काम लेना ही उचित रहता है।
- **मोर**- यदि शनिदेव का वाहन मोर हैं, यह शुभ फल देने वाला होता है। इस समय में मेहनत और भाग्य दोनों का अच्छा साथ मिलता है। इतना ही नहीं इस समयावधि के दौरान बड़ी-बड़ी परेशानी का हल समझदारी से पाया जा सकता है।
- **गधा**- जब शनिदेव का वाहन गधा होता है तो इसे शुभ नहीं माना जाता है और यह शुभ फलों में कमी देता है, अत- इस दौरान अधिक प्रयास के द्वारा ही कार्यों में सफलता प्राप्त की जा सकती है।
- **घोड़ा**- यदि शनिदेव का वाहन घोड़ा हैं, तो हमें शुभ फल मिलते हैं, क्योंकि घोड़ा शक्ति का प्रतीक माना जाता है। और इस समय व्यक्ति उर्जा और जोश से भरा होने के कारण इस दौरान समझदारी और संयम से हम शत्रुओं पर सरलता से विजय पा सकते हैं तथा कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती हैं।
- **सिंह**- शनिदेव का वाहन सिंह हैं तो घोड़े की तरह ही सिंह भी शुभ फल देने वाला माना जाता है। अगर शत्रु परेशान कर रहा है तो इस समय में समझदारी और चतुराई के द्वार हम उसे परास्त कर सकते हैं।
- **भैंसा**- यदि भैंसा शनिदेव का वाहन हो तो इस समयावधि में मिलाजुला फल मिलता है। कहने का मतलब यह हैं कि इस दौरान समझदारी, होशियारी से किया गया कार्य ज्यादा बेहतर साबित होता है। यदि सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी यानी सावधानी से काम नहीं किया तो बुरे फल मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

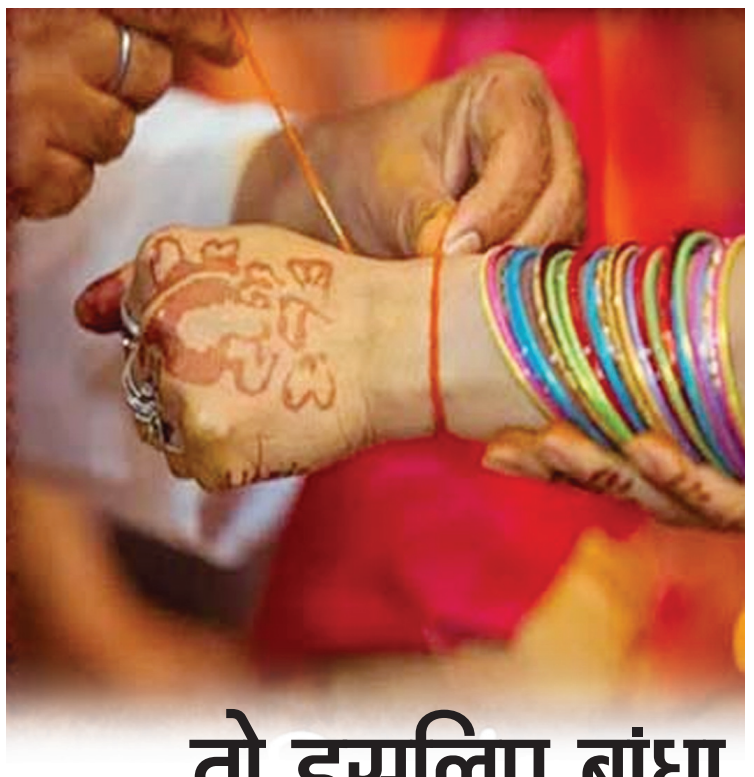

...तो इसलिए बांधा जाता है कलावा

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ या फिर यज्ञ, हवन आदि से समय पंडित (पुरोहित) यजमान की दायीं कलाई में कलावा बांधते हैं। कलावा को मौली और रक्षासूत्र के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने ये सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण है। अगर आपको लगता है कि इसके पीछे सिर्फ धार्मिक कारण है तो ऐसा नहीं है। जी हां, धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है।

देवी लक्ष्मी ने की कलावा बांधने की शुरुआत

शास्त्रों में ये कहा गया है कि कलावा या मौली बांधने का प्रारंभ माता लक्ष्मी और राजा बलि ने की थी। माना जाता है हाथ पर मौली बांझने से जीवन में आने वाले संकट से रक्षा होती है। कलावा को हमेशा बांधते समय एक मंत्र को बोला जाता है-

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल:, तेन त्वाम प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:।

कलावा धारण करने होती है इनकी कृपा

शास्त्रों में कहा गया है कि कलावा बांधने से त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती तीनों देवियों की अनुकूलता का भी फायदा मिलता है। जानें कलावा धारण करने को लेकर क्या कहता है विज्ञान विज्ञान के मुताबिक, शरीर के ज्यादातर अंगों तक जाने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। वहीं जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे नसों की क्रिया नियंत्रित रहती हैं। इससे वात, पित्त और कफ की समानता बनी रहती है। माना ये भी जाता है कि कलावा बांधने से हृदय संबंधी रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और पैरालिसिस जैसे रोगों से काफी सुरक्षा होती है।

इन स्थानों पर मौली बांधने से मिलता है लाभ

मौली को शादी शुदा महिलाओं के बाएं हाथ और पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ में बांधने का विधान है। चाबी के छल्ले, बही-खाता और तिजोरी जैसी जगहों पर पवित्र मौली बांधने से फायदा होता है, ऐसी मान्यताएं कहती हैं।

आर्थिक समस्याओं में कलावा

मान्यता है कि कलावे में देवी या देवता अदृश्य रूप में विराजमान रहते हैं। इसका निर्माण कच्चे सूत से तैयार होता है और यह कई रंगों जैसे पीला, सफेद, लाल या फिर नारंगी रंग से मिलकर बनता है। ऐसा माना जाता है कलाई पर इसे बांधने से आर्थिक समस्या भी दूर होती है।

वैजयंती की माला से करें विष्णु की उपासना

वैजयंती के वृक्ष पर बहुत ही सुंदर फूल उगते हैं। इसके फूल बहुत ही सुगंधित और सुंदर होते हैं। इसके बीजों की माला बनाई जाती है। वैजयंती के फूल भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी को बहुत ही प्रिय है। आओ जानते हैं इसके 6 लाभ।

- वैजयंती फूलों का बहुत ही सौभाग्यशाली वृक्ष होता है। इसकी माला पहनने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस माला को किसी भी सोमवार अथवा शुक्रवार को गंगाजल या शुद्ध ताजे जल से धोकर धारण करना चाहिए।
- वैजयंती के बीजों की माला से भगवान विष्णु या सूर्यदेव की उपासना करने से ग्रह नक्षत्रों का प्रभाव खत्म हो जाता है। खासकर शनि का दोष समाप्त हो जाता है। इस माला को धारण करने से देवी लक्ष्मी भी प्रसन्न होती है।
- इसको धारण करने या प्रतिदिन इस माला से अपने ईष्ट का जप करने से नई शक्ति का संचार तथा आत्म-विश्वास में वृद्धि होती है।
- इस माला को धारण करने से मान सम्मान में वृद्धि होती है। मानसिक शांति प्राप्त होती है जिससे व्यक्ति अपने कार्य क्षेत्र में मन लगाकर कार्य करता है।
- मान्यता है कि पुष्य नक्षत्र में वैजयंती के बीजों की माला धारण करना बहुत ही शुभ फलदायक है। यह सभी तरह की मनोकामना पूर्ण करता है।
- वैजयंती माला से 'ऊं नम: भगवते वासुदेवाय' का मन्त्र नित्य जापने से विवाह में आ रही हर प्रकार की बाधा दूर हो जाती है। जप के बाद केले के पेड़ की पूजा करना चाहिए।

वैजयंती माला का महत्व : एक कथा के अनुसार इन्द्र ने अंहकारवश वैजयंतीमाला का अपमान किया था, परिणामस्वरूप महालक्ष्मी उनसे रुष्ट हो गईं और उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था। देवराज इन्द्र अपने हाथी ऐरावत पर भ्रमण कर रहे थे। मार्ग में उनकी भेंट महर्षि दुर्वासा से हुई। उन्होंने इन्द्र को अपने गले से पुष्पमाला उतारकर भेंटस्वरूप दे दी। इन्द्र ने अभिमानवश उस पुष्पमाला को ऐरावत के गले में डाल दिया और ऐरावत ने उसे गले से उतारकर अपने पैरों तले रौंद डाला। अपने द्वारा दी हुई भेंट का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा को बहुत क्रोध आया। उन्होंने इन्द्र को लक्ष्मीहीन होने का श्राप दे दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला पायलट यौन शोषण मामले में कैब ड्रायवर समेत 3 पर मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण का मामला दर्ज कराया है। घटना 19 जून की रात की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। महिला पायलट ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहते हैं, जबकि वह घाटकोपर में रहती है। पुलिस के मुताबिक महिला का आरोप है कि कैब ड्राइवर ने 25 मिनट बाद रूट बदल दिया और दो अन्य पुरुषों को कैब में बैठा लिया। उनमें से एक पीछे की सीट पर महिला के पास बैठा था। उसने महिला को गलत ढंग से छुआ। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उस शख्स ने महिला को धमकाया। इस दौरान कैब ड्राइवर ने कुछ नहीं कहा। आगे कुछ दूरी पर पुलिस की चेकिंग चल रही थी। यह देखकर दोनों पुरुष कैब से उतरकर भाग गए। घर पहुंचने पर महिला ने ड्राइवर से उन पुरुषों को कैब में बैठाने की वजह पूछी तो ड्राइवर ने कोई जवाब नहीं दिया। अगले दिन सुबह जब महिला ने अपने पति को पूरी घटना बताई, तब दंपती ने घाटकोपर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीट पर बैठने को लेकर ट्रेन में विवाद, लोगों ने युवक को पीट-पीट कर मार डाला

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में ट्रेन में सीट के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक सहारनपुर-दिल्ली ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। 15 से 20 लोगों ने लात-घूंसों और बेल्ट से उसकी जमकर पिटाई कर दी। बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर भाग गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को सूचना दी। घायल युवक को ट्रेन से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि दीपक दिल्ली में नौकरी करता था और हर शुक्रवार दिल्ली से बागपत अपने घर आता था। घटना शुक्रवार की है, लेकिन इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। बता दें दो दिन पहले झांसी में भी वंदे भारत एक्सप्रेस में भी सीट एक्सचेंज को लेकर एक यात्री के साथ मारपीट हुई थी।

मानसरोवर की झील में स्नान पर प्रतिबंध है

देहरादून (एजेंसी)। चीन ने 5 साल बाद मानसरोवर यात्रा के लिए रास्ता खोल दिया है। चीन ने मानसरोवर यात्रियों के लिये इस बार कड़ी गाइडलाइन तैयार की है। मानसरोवर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को चीन ने चेतावनी है। यात्री पवित्र झील में स्नान नहीं करेंगे। पवित्र झील का जल बोतल में भरकर ला सकते हैं। चीन के सुरक्षाकर्मी भारतीय श्रद्धालुओं के सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को लगातार चेक कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के ऊपर चीन द्वारा कड़ी निगाहें रखी जा रही है। मानसरोवर के लिए पहला जत्था नाथुला दर्रे से रवाना हो चुका है। उत्तराखंड के लिपूलेख दर्रे से जाने वाला पहला जत्था 30 जून को दिल्ली से रवाना होगा। 4 जुलाई को टनकपुर पहुंचेगा। यहां से चीन के ताकलाकोट के लिए रवाना होगा। यह जत्था एक रात के लिए नाभीटांग में रुकेगा। इसके बाद चीन के अधिकारी यात्रियों की निगरानी और देखरेख करेंगे। यहां से करीब तीन किलोमीटर की यात्रा पैदल होती है।

हुगली में बीजेपी नेता का शव घर में लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

हुगली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के गोघाट क्षेत्र में शनिवार को बीजेपी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शेख बकीबुल्ला का शव उनके आवास की दूसरी मंजिल की बालकनी में लटका मिला। इस संबंध में पुलिस ने बताया सूचना पर जब पुलिस टीम मृतक के शव को कब्जे में लेने उनके घर पहुंची तो स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। बकीबुल्ला की पत्नी ने कहा कि रात का खाना खाने के बाद वह अपना फोन देख रहे थे और उन्होंने कहा था कि वह बाद में सो जाएंगे। मुझे नहीं पता कि वह कब बालकनी में चले गए। गोघाट के एक बीजेपी नेता ने कहा कि बकीबुल्ला क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। उन्होंने कहा कि हम यह तय करेंगे कि उन्हें न्याय मिले। जिले के टीएमसी नेताओं ने मांग की है कि घटना के पीछे का 'सच' सामने आना चाहिए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जांच की आड़ में कुख्यात अपराधियों के घर में नहीं घुस सकती पुलिस : हाईकोर्ट

तिरुवननंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस को जांच की आड़ में संदिग्ध व्यक्तियों और कुख्यात अपराधियों के दरवाजे खटखटाने या रात में उनके घरों में घुसने का कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने यह फैसला एक व्यक्ति की याचिका पर सुनाया। जिस याचिका में आरोप लगाया गया है कि उस व्यक्ति ने पुलिस अधिकारियों को तब अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका, जब पुलिस ने उसे कुख्यात अपराधियों से जुड़ी जांच के दौरान देर रात घर से बाहर आने को कहा था। याचिका स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे संबंधित सभी कार्यवाही को रद्द कर दिया और कहा कि जांच की आड़ में पुलिस कुख्यात अपराधियों के दरवाजे नहीं खटखटा सकती या उनके घरों में जबरन नहीं घुस सकती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को यह समझना चाहिए कि घर की अवधारणा आवास के रूप में अपनी भौतिक अभिव्यक्ति से परे है और भावनात्मक एवं सामाजिक आयामों के एक समृद्ध ताने-बाने को समेटे हुए है। कोर्ट ने कहा कि दूसरे शब्दों कहे कि हर आदमी का घर उसका महल या मंदिर होता है। किसी व्यक्ति के जीवन के अधिकार में गरिमा के साथ जीने का अधिकार शामिल है और गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता।

मोरारी बापू से मिले बाबा रामदेव और बोले- बापू महापुरुष, उनकी आलोचना उचित नहीं

-रामकथा के अंतिम दिन भी बापू ने मांगी क्षमा

वाराणसी (एजेंसी)। प्रसिद्ध कथा वाचक मोरारी बापू की नौ दिवसीय रामकथा का रविवार को काशी में समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बापू ने यह कहते हुए एक बार फिर सभी महापुरुषों से क्षमा मांगी कि उन्हें लग रहा है मानो कथा अभी अधूरी है। बापू इसी के साथ वचन दिया कि अगली बार वे काशी कबीर मानस लेकर आएंगे। इस अवसर पर योगगुरु बाबा रामदेव विशेष रूप से बापू से मिलने पहुंचे थे। बाबा रामदेव ने यहां कहा कि बापू की आलोचना न तो उचित है और न ही आवश्यक। बापू तो राष्ट्र और संस्कृति की धरोहर हैं। वे बचपन से रामकथा कहते आ रहे हैं। उनके जीवन का उद्देश्य केवल राम की महिमा का गुणगान है। इसी के साथ रामदेव ने बापू को महापुरुष की संज्ञा भी दी।

इस अवसर पर मोरारी बापू ने कहा, योग जरूरी है, लेकिन परमात्मा और परस्पर प्रेम उससे भी अधिक जरूरी है। अगर प्रेम नहीं है, तो योग, ज्ञान, कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं रह जाता। उन्होंने सिंदूर की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए कहा, शिव-पार्वती का सिंदूरदान आधि-दैविक है, जबकि राम द्वारा जानकी की मांग भरना आध्यात्मिक है। अगर कोई बुद्ध

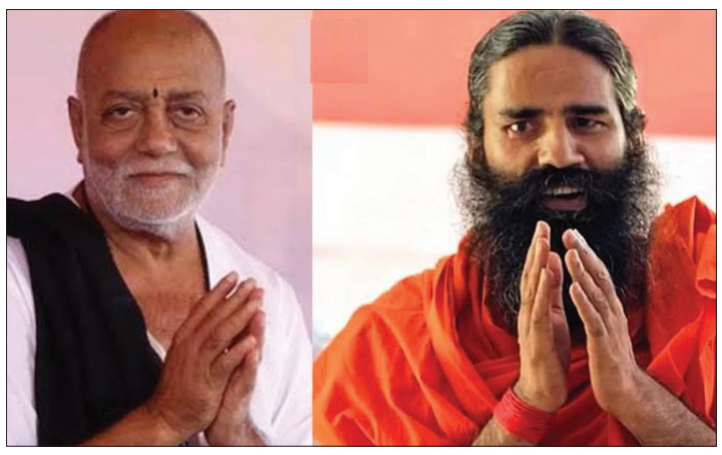

पुरुष हमें अपनाता है, तो वही हमारे जीवन का सिंदूर है। बापू ने इस बात पर भी बल दिया कि हिंदू सनातन धर्म सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि यह सभी को स्वीकार करता है, सभी का सम्मान करता है।

बापू के आगे बेटा क्या बोलेगा : रामदेव

बाबा रामदेव इस अवसर पर भावुक हो गए और कहा, कि हमें नहीं पता था कि काशी आना है, लेकिन बापू और शिव की कृपा से आ गए। हम सोच रहे थे कि क्या कहें? पर बाप के सामने बेटा क्या बोलेगा। उन्होंने मंच से कहा कि बापू के दो पुत्र हैं - एक पार्थिक और दूसरा पारमार्थिक, और हम सभी उनकी आत्मिक संतान हैं। बाबा रामदेव ने आगे कहा कि बापू की आलोचना अगर विधर्मी करते तो समझ आता, लेकिन सनातनी खुद क्यों तनातनी में लगे हैं? यह सनातन धर्म की संस्कृति नहीं है।

बाबा रामदेव ने मंच से स्पष्ट किया कि बापू और मैं किसी भी राजनीति से नहीं जुड़े हैं। न हमें किसी नेता ने बुलाया है, न हम किसी राजनीतिक उद्देश्य से यहां हैं। उन्होंने कहा कि बापू के पास इतनी शक्ति है कि वह राजनेता बना सकते हैं, लेकिन कोई राजनेता उन्हें नहीं बना सकता।

पहले कुछ ही मुसलमान आते थे अब संख्या बढ़ गई

बाबा रामदेव ने कहा कि कथा स्थल पर पहले कुछ ही मुसलमान आते थे, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़ गई है, जो सनातन धर्म की व्यापकता और समावेशी स्वरूप को दर्शाता है। काशी की यह कथा केवल राम की महिमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्रेम, स्वीकार्यता और सनातन संस्कृति का ऐसा मंच बन गई, जहां से बापू और बाबा रामदेव ने समाज को विचार और आत्मचिंतन का संदेश दिया। मोरारी बापू का यह कथन कि मैं नित्य प्रसन्न हूं, क्योंकि मेरे बुद्ध पुरुष ने मेरी मांग भरी है, आध्यात्मिक प्रेम की गहराई को दर्शाता है, जो सनातन संस्कृति का मूल है।

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक 4 जुलाई से

- बैठक में भाजपा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की कर सकती है घोषणा

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सभी प्रमुख अधिकारी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में होंगे। बैठक में 11 क्षेत्रीय प्रमुख, 46 प्रचारक और विभिन्न प्रांतों से वरिष्ठ आरएसएस स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसमें मई और जून में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का भी मूल्यांकन किया जाएगा और अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका लक्ष्य आंतरिक समन्वय को तेज करना और आगामी संगठनात्मक मील के पत्थर और सामाजिक-राष्ट्रीय पहलों के लिए रणनीति को बढ़ाना है। 4 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की अध्यक्षता आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले करेंगे। परंपरागत रूप से प्रांत प्रचारक बैठक वह जगह होती है जहां संघ पूर्णकालिक प्रचारकों की भूमिकाओं की समीक्षा करता है, और कभी-कभी उन्हें भाजपा में प्रतिनियुक्त करता हैफ। हालांकि ऐसा काम किए हुए कुछ समय हो गया है। बैठक का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा द्वारा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। यह उच्च स्तरीय बैठक संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और भविष्य की पहल की योजना बनाने पर केंद्रित होगी। एक प्रमुख एजेंडा संघ के शताब्दी समारोह की तैयारी होगी, जिसमें देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी की योजना बनाई गई है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं और विभिन्न शहरों में इसके तहत आवंटित धन का पूरा उपयोग भी नहीं किया गया।

पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कई स्तरों पर नीतिगत खामियों से ग्रसित है। इसकी सबसे बड़ी कमी यह रही है कि इस कार्यक्रम का फोकस पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कणों) के बजाय पीएम10 (10 माइक्रोन से छोटे कणों) को मापने और निगरानी तक सीमित कर दिया गया, जबकि हर साल हजारों लोगों की मौत का मुख्य कारण पीएम 2.5 होता है।.

उन्होंने कहा कि अब यह भी सामने आ रहा है कि कार्यक्रम का दायरा सीमित किए जाने के बावजूद धन का उपयोग बेहद निराशाजनक रहा है। रमेश के अनुसार, इस योजना के तहत धन पाने वाले 130 शहरों ने औसतन केवल 70 से 78.5 प्रतिशत तक ही धन का उपयोग किया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे शहर में जहां हर साल वायु प्रदूषण एक सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थिति और राष्ट्रीय शर्म का विषय बन जाता है, यहां भी इस योजना के तहत मिले धन का महज 33 प्रतिशत से भी कम खर्च किया गया है।कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि फरीदाबाद ने सिर्फ 26.7 प्रतिशत, नोएडा ने 10 प्रतिशत से भी कम, और यहां तक कि प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी भी सिर्फ 48.85 प्रतिशत धन का उपयोग कर पाया, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।

मेघालय 'हनीमून मर्डर' मामला: पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर को किया गिरफ्तार, काले बैग के बारे में करेगी पूछताछ

-राजा की हत्या के बाद विशाल को ब्रोकर जेम्स ने फ्लैट किराए पर दिया था

शिलांग (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब एक और गिरफ्तारी हुई है। शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार रात प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। ये ब्रोकर वही है, जिसने राजा हत्याकांड के आरोपी विशाल को इंदौर के देवास नाका का फ्लैट किराए पर दिया था। सरेंडर से पहले इसी फ्लैट में सोनम ने फरारी काटी थी। सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूत छिपाने, नष्ट करने के मामले में सहआरोपी बनाया है।

प्रॉपर्टी ब्रोकर ने फ्लैट के गार्ड के साथ मिलकर उस बैग को गायब किया था, जिसमें पिस्टल और पांच लाख रुपए के साथ राजा के जेवर होने की बात कही थी। उधर, सोनम और राज को 13 दिनों की न्यायायिक हिरासत में भेजा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम के परिवार, ऑफिस, गोदाम के कर्मचारियों और राजा के परिजन के बयान दर्ज किए हैं।

शिलॉन्ग पुलिस उस काले रंग के बैग की तलाश में इंदौर आई थी, जिसके बारे में सोनम ने बताया था।

सोनम ने पुलिस से कहा था कि राज कुशवाहा ने राजा को ठिकाने लगाने के लिए एक पिस्टल खरीदी थी। पहले पिस्टल से ही राजा को मारने का प्लान था। बाद में धारदार हथियार से मारा। पिस्टल और पांच लाख रुपए काले बैग में कपड़ों के बीच छिपाकर रखे थे। ये बैग सोनम के प्रेमी राज कुशवाह ने विशाल के जरिए ऑटो रिक्शा बुक करके सोनम के पास देवास नाका के फ्लैट में भेजा था। 8 जून को इंदौर से निकलते समय सोनम बैग फ्लैट में छोड़कर आई थी। फ्लैट की चाबी गार्ड को सौंपकर दी थी। सोनम के जाने के बाद 10 जून को सिलोम जेम्स अपनी कार से फ्लैट में पहुंचा और बैग उठाकर ले गया।

शनिवार को शिलांग पुलिस ने ड्राइवर से पूछताछ के बाद सिलोम को दबोच लिया जो दिल्ली भागने की फिराक में था। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। शिलॉन्ग पुलिस उसे साथ में ले जा सकती है। वहीं, पुलिस को अब काले बैग की तलाश है, जिसके बारे में सिलोम जेम्स जानता है। गार्ड को भी शिलॉन्ग पुलिस तलाश रही है। वह भी शक के दायरे में है। इस मामले में इंदौर पुलिस ने बताया कि सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि शिलॉन्ग से आई एसआईटी सिलोम जेम्स की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ कर रही है। पूछे जाने पर कि क्या शिलॉन्ग पुलिस जेम्स के अपने साथ लेकर मेघालय जाएगी? उन्होंने कहा कि अभी इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, अगर ऐसा होता है तो पहले उन्हें ट्रांजिट रिमांड लेनी पड़ेगी, उसके बाद लेकर जा सकते हैं।

अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि... नीतीश कुमार को लेकर ऐसा क्यों बोले तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तय हो चुका है और गठबंधन की रणनीति के अनुसार इसका खुलासा किया जाएगा। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, जब सीएम के चेहरे के बारे में पूछा गया, तो यादव ने कहा कि सब कुछ तय हो चुका है। हम अपनी रणनीति के अनुसार इसका खुलासा करेंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कहेगी कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि पांच साल तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा जिस भी पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसे खत्म कर देती है। पूरे देश में किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को देख लीजिए... देखिए भाजपा ने चिराग पासवान की पार्टी के साथ क्या किया। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि 'भक्तों' को नहीं पता कि इरज एक संस्कृत शब्द है। इसका मतलब है 'पवनपुत्र', जो हनुमान का नाम है। भाजपा के लोगों को सनातन के बारे में कुछ नहीं पता। उन्हें संविधान या धर्म के बारे में कुछ नहीं पता।

अपने दूसरे बच्चे के नाम को लेकर उठे विवाद पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जवाब दे रहे थे। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के 'तेजस्वी यादव से पूछो कि वह 10वीं की परीक्षा कब पास करेंगे' वाले तंज पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'इससे मुझे कोई दुख नहीं होता। एक डिग्री आपको हर गुण नहीं दे सकती। व्यावहारिक जीवन का अनुभव भी उपयोगी होता है। मैं एक खिलाड़ी था... लेकिन अगर डिग्री की बात करें तो हमारे देश के लोगों को पता ही नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी के पास कौन सी डिग्री है।'

यादव कहते हैं, 'अगर चिराग पासवान मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं तो उन्हें खुलकर कहना चाहिए. उन्हें ये सब ड्रामा करने की क्या ज़रूरत है कि 'बिहार बुला रहा है।' क्या बिहार ने उन्हें इतने सालों तक भगाया? कुछ तो तर्क होना चाहिए। वो बिहार से जीते हैं। वो बिहारी हैं। अब वो कह रहे हैं 'बिहार बुला रहा है.'... मैं हमेशा कहता हूं कि मुझे सरकार भी नहीं बनानी है, मैं बिहार का विकास करना चाहता हूं. मुझे एक मौका दीजिए ऐसा करने का।'

योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी: अखिलेश यादव

– अखिलेश ने सरकार पर किया वार... फिर खोला चुनावी पिटारा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हाल ही में अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे। यहां पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर कड़ी आलोचना की और कई मुद्दों पर अपनी विचार रखे।

अखिलेश ने कहा कि योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी। अगर स्कूलों को मर्ज कर दूर-दूर किया गया तो बेटियों को पढ़ाई में बहुत दिक्कत होगी। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और हर जिले से भ्रष्टाचार की शिकायतें आ रही हैं। इसलिए सरकारी कर्मचारी ट्रांसफर-पोस्टिंग के जरिए अपना निजी फायदा करने में लगे हुए हैं। अगर उनकी पार्टी 2027 में सरकार बनती है तो वे ई-रिक्शा और तांगा फ्री करने का वादा करेंगे। मुख्यमंत्री के हवाई सर्वेक्षण पर भी उन्होंने सवाल उठाए। मीडिया इस पर सवाल नहीं कर सका इसलिए सरकार ने हवाई दौरा किया। उन्होंने कहा कि कोई भाजपाई गाय का दूध नहीं पीता। इन्हें

गोबर से प्यार है, गोबर गिफ्ट में दें तो बहुत अच्छा लगेगा। योगा को लेकर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये लोग केवल दिखावे के लिए योगा कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि जो भाजपा वाले सिंदूर यात्रा निकाल रहे थे, वे झांसा दे रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के मामलों में हम सब एक हैं और फौज के साथ हैं। उन्होंने बताया कि 'सिंदूर' शब्द का मतलब है 'पाप' और 'दूर'। उनका कहना था कि भाजपा की ये यात्रा अपनी कमियां छिपाने की कोशिश थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव मकरन्द नगर स्थित पूर्व चेयरमैन सुनील कुमार गुप्ता के शोरूम भी गए और वहां के कारोबारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे कारोबारियों की मदद करेंगे।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए रेडियो सशक्त माध्यम: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि रेडियो दशकों से अस्तित्व में है और वर्तमान समय में भी उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने इसे एक प्रभावशाली माध्यम बताया जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकता है। वह महाराष्ट्र रेडियो महोत्सव और आशा रेडियो पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे, जहां प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले भी मौजूद थीं।

फडणवीस ने छह रेडियो जॉकी से भी बातचीत की। फडणवीस ने रेडियो से अपने जुड़ाव, संगीत के प्रति अपने प्रेम और गीत लिखने के अपने शौक को याद किया। विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने एक कविता भी सुनाई और एक गीत भी गुनगुनाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेडियो के गहन प्रभाव को पहचाना और प्रत्येक नागरिक से सीधे जुड़ने के साधन के रूप में 'मन की बात' की शुरुआत की। कार्यक्रम में आशा भोसले ने कहा, ''अगर रेडियो नहीं होता, तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं होती।''

रेडियो की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए फडणवीस ने कहा कि यह दशकों से अस्तित्व में है, लेकिन आज भी यह उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने कहा, ''हमारी सुबह हमेशा रेडियो से शुरू होती थी। हम कभी भी विविध भारती के गाने नहीं भूलते - यहीं से रेडियो से मेरा असली जुड़ाव शुरू हुआ।''

उन्होंने कहा, ''मेरा लंबे समय से मानना रहा है कि हमें रेडियो उद्योग में काम करने वालों के योगदान को सार्थक रूप से स्वीकार करना चाहिए। इन पुरस्कारों की स्थापना उस दिशा में एक सार्थक कदम है। भले ही हम रेडियो पर बोलने वाले व्यक्ति को नहीं देख सकते, लेकिन उनके शब्द जीवंत छवि बनाते हैं। रेडियो में ध्वनि के माध्यम से चित्र बनाने की शक्ति है।''

कार्यक्रम में उपस्थित महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिए इन पुरस्कारों की शुरुआत की है।

उन्होंने बताया कि भारत का पहला रेडियो प्रसारण 1923 में 'रेडियो बॉम्बे' के रूप में शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है जो इस तरह के सम्मान के माध्यम से रेडियो उद्योग में योगदान को औपचारिक रूप से मान्यता और सम्मान दे रहा है। इस कार्यक्रम में 12 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ईरान-इस्राइल संघर्ष विराम के लिए यूरोप की पहल, फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने किया प्रस्ताव का खुलासा

पेरिस, एजेंसी। ईरान ैर इस्राइल के बीच संघर्ष विराम की कोशिशें शुरू हो गई हैं।

यूरोप के देशों द्वारा इसे लेकर एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस प्रस्ताव का खुलासा किया है, जिसके अनुसार, ईरान को यूरेनियम संवर्धन का काम रोकना होगा। साथ ही ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को रोकना होगा और पूरे पश्चिम एशिया में सक्रिय उग्रवादी संगठनों को भी अपना समर्थन देना बंद करना होगा। ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किए हुए हैं और ईरान यूरेनियम संवर्धन को अपना अधिकार बताता है। ईरान का कहना है कि उसका यूरेनियम संवर्धन करना अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वैध है। लेकिन बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और खासकर इस्राइल के ताजा हमलों के बाद ईरान पर परमाणु समझौता करने का दबाव बढ़ गया है।

यूके और उत्तरी यूरोप में गर्मी का अलर्ट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और फ्रांस के अधिकारियों ने इस सप्ताहांत बहुत गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उत्तरी यूरोप में यह साल की पहली गर्मी की लहर है। ब्रिटेन की मौसम एजेंसी मेट ऑफिस के अनुसार, इस हफ्ते मौसम पहले से ही बहुत गर्म है और शनिवार को पूर्वी इंग्लैंड में तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। यह इस मौसम के लिए आमतौर पर होने वाले तापमान से करीब 12 डिग्री ज्यादा है। फ्रांस में और ज्यादा गर्मी पड़ने की उम्मीद है। वहां के मौसम वैज्ञानिकों ने बताया है कि देश के पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप खारिज

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलयेशिया की एक अदालत ने शुक्रवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तीन आरोप हटा दिए। यह मामला सरकारी फंड एक एमबीडी (मलेशिया डेवलपमेंट बेरहद) से अरबों डॉलर की लूट से जुड़ा है। नजीब को पहले ही भ्रष्टाचार के एक मामले में 12 साल की सजा सुनाई जा चुकी है, जिसे 2024 में घटाकर 6 साल कर दिया गया था। नजीब पर आरोप था कि उनके बैंक खातों में 27 मिलियन रिंगित (6.3 मिलियन डॉलर) की अवैध राशि प्राप्त हुई थी। हालांकि, उनके वकील मुहम्मद शफी अब्दुल्ला ने बताया कि अभियोजन पक्ष की प्रक्रियात्मक देरी के कारण मामला छह साल तक लटका रहा और अदालत ने आरोप हटा दिए। अभियोजन पक्ष अदालत को यह नहीं बता सका कि वह मुकदमा कब शुरू करने के लिए तैयार होगा। वकील ने स्पष्ट किया कि आरोप हटाने का मतलब बरी होना नहीं है और अभियोजन पक्ष को भविष्य में फिर से आरोप लगाने का अधिकार सुरक्षित है। हालांकि, नजीब इस फैसले से खुश हैं और अब वह एक एमबीडी से जुड़े मुख्य मामले पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

पनामा में हिंसक प्रदर्शन के बाद सुरक्षा कानून अस्थायी निलंबित

पनामा, एजेंसी। पनामा सरकार ने शुक्रवार को उत्तर-पश्चिम के बोकास डेल टोरो प्रांत में अगले पांच दिनों के लिए कुछ सांविधानिक सुरक्षा अधिकारों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। इसका कारण वहां चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शन हैं, जो पिछले दो महीनों से हो रहे हैं और अब और भी उग्र हो गए हैं। राष्ट्रपति मंत्री जुआन कार्लोस ओरिलैक ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि सरकार कानून-व्यवस्था दोबारा स्थापित कर सके और उग्र समूहों से इलाके की रक्षा की जा सके।

हां मैं चिंतित हूं कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है: रूसी राष्ट्रपति पुतिन

मास्को, एजेंसी। दुनिया भर में चल रहे युद्धों को लेकर एक बात सभी की जुबान पर आती है कि क्या मानव सभ्यता तीसरे विश्व युद्ध की तरफ बढ़ रही है? सेंट पिट्सबर्ग में जब यह सवाल रूसी राष्ट्रपति से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दुनिया में संघर्ष की बहुत संभावना है और यह लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, इसलिए हां मैं चिंतित हूं कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। सेंट पीटर्सबर्ग में तमाम वैश्विक मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए पुतिन ने यूक्रेन में रूस के अपने युद्ध और इजरायल ईरान संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान में रूसी वैज्ञानिक दो नए परमाणु रिएक्टर केंद्र बना रहे हैं। ऐसे में ईरान के परमाणु केंद्रों के आसपास जो कुछ हो रहा है उससे वह बहुत ज्यादा चिंतित हैं। पुतिन ने कहा, यह बहुत परेशान करने वाला है। मैं बिना किसी मजाक या व्यंग्य के बोल रहा हूं। बेशक, दुनिया में संघर्ष की बहुत संभावना है.. और यह लगातार हमारी नाक के नीचे बढ़ रहा है और यह हमें सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इसलिए.. यह जाहिर है कि यह घटनाओं पर हमें सावधानी पूर्वक ध्यान देने की जरूरत हैं और इसके साथ ही हमें इसका समाधान भी खोजना होगा।

पाकिस्तान में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण, जबरन कबूल करवाया इस्लाम, इंसाफ मांग रही मां

शाहदादपुर, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदुओं के साथ अत्याचार की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शाहदादपुर में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। 22 वर्षीय जिया बाई, 20 वर्षीय दिया बाई और 16 वर्षीय दिशा बाई के अलावा, इन तीनों बहनों के 13 वर्षीय भाई हरजीत कुमार को किडनैप कर इस्लाम कबूल करवाया गया। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवस्थित उत्पीड़न पर सवाल उठाए हैं। बच्चों की मां न्याय के लिए भटक रही है।

क्या है पूरा मामला : रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना सिंध प्रांत के शाहदादपुर में हुई, जहां इन चारों भाई-बहनों को अगवा कर लिया गया। पीड़ितों की मां ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थानीय कंप्यूटर शिक्षक फरहान खासखेली पर बच्चों को बहकाने और अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने आंखों में आंसू लिए कहा, मेरे पास तीन बेटियां थीं, और फरहान ने उन सभी को ले लिया। मां ने विशेष रूप से अपने 13 वर्षीय बेटे की वापसी की गुहार लगाई, जिसके बारे में उनका कहना है कि वह इतनी छोटी उम्र में धर्म के बारे में समझने में सक्षम नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में इन बच्चों के तथाकथित धर्मांतरण को दर्शाया गया है, जिसे कई लोगों ने सांस्कृतिक आतंकवाद करार दिया है। हिंदू पंचायत के प्रमुख राजेश कुमार ने इस घटना को न केवल एक पारिवारिक त्रासदी बल्कि सामुदायिक आपदा बताया। उन्होंने पीड़ित बच्चों की तस्वीरें दिखाते हुए सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे इतने परिपक्व हैं कि वे स्वेच्छा से धर्म बदलने का निर्णय ले सकें।

पुलिस की कार्रवाई और पाक मीडिया का दावा : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, परिवार के विरोध के बाद पुलिस ने इन बच्चों को शाहदादपुर की एक अदालत में पेश किया। जहां दो बालिग लड़कियों को आश्रय गृह में भेजने का आदेश दिया गया तो वहीं एक नाबालिग लड़की और लड़के को मां-बाप को सौंप दिया। पाक मीडिया का दावा है कि इन चारों भाई-बहनों ने बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है। वहीं परिवार का कहना है कि पुलिस के दबाव में बच्चे डरे हुए हैं। माता-पिता के वकील ने अदालत में दलील दी कि पुलिस ने चारों को कराची से बरामद किया था, जहां पर उन्हें शाहदादपुर से अगवा कर जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया था। सभी की दलीलें सुनने के बाद, जज ने दो लड़कियों जिया बाई और दीया बाई को कराची के एक आश्रय गृह में रहने की अनुमति दे दी। दोनों लड़कियां मेडिकल छात्राएं हैं। इस बीच, अदालत ने आदेश दिया कि दो नाबालिगों 15 वर्षीय मैट्रिक छात्रा दिशा बाई और उसके 13 वर्षीय चचेरे भाई हरजीत कुमार को उनके माता-पिता को सौंप दिया जाए। लड़कियों के बयानों के आधार पर अदालत ने दो आरोपियों, जुल्फिकार खासखेली और फरहान को अपहरण के आरोपों से भी बरी कर दिया।

एक गहरी जड़ें जमा चुकी समस्या : यह घटना कोई अलग-थलग मामला नहीं है। सिंध और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में हिंदू लड़कियों और हाल ही में लड़कों के अपहरण, बलात्कार, जबरन धर्मांतरण और उनके अपहरणकर्ताओं से विवाह की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह धार्मिक अतिवाद, पितृसत्तात्मक मानसिकता और संस्थागत उदासीनता का परिणाम है। हिंदू समुदाय के लिए, विशेष रूप से सिंध में, अपहरण और जबरन धर्मांतरण का डर एक निरंतर छाया की तरह बना हुआ है। 2016 में सिंध प्रांतीय विधानसभा ने जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए एक विधेयक पारित करने की कोशिश की थी, लेकिन धार्मिक दलों के विरोध के कारण यह प्रभावी नहीं हो सका। इस तरह की घटनाओं से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कानूनी संरक्षण की कमी उजागर होती है।

बंद होने के कगार पर अमेरिकी न्यूज चैनल वीओआई, ट्रंप प्रशासन ने 639 पत्रकारों को निकाला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की मशहूर और 83 साल पुरानी सरकारी न्यूज एजेंसी वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए) पूरी तरह से बंद होने के कगार पर है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने वॉयस ऑफ अमेरिका और उसे चलाने वाली यूएस एजेंसी फोर ग्लोबल मीडिया (यूएसएजीएम) के 639 कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस दिया गया।

इस साल मार्च से अब तक कुल 1,400 कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है, जो पूरी एजेंसी के 85त्न कर्मचारियों की संख्या है। ट्रंप प्रशासन की सलाहकार और एजेंसी की वरिष्ठ अधिकारी कारी लेक ने इसे बेहद जरूरी सुधार बताया और कहा कि सरकार अब इस फिजूलखर्च और जवाबदेही से दूर एजेंसी पर जनता का पैसा बर्बाद नहीं करेगी।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई थी शुरुआत : बता दें कि वीओए की शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी के लोगों को अमेरिकी लोकतंत्र की बातें बताने से हुई थी। समय के साथ यह नेटवर्क दर्जनों भाषाओं में उन देशों में समाचार पहुंचाता रहा, जहां स्वतंत्र प्रेस की परंपरा नहीं थी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि दुनिया भर में वीओए के प्रसारण की जगह कौन लेगा। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप समर्थक नेटवर्क वन अमेरिका न्यूज (ओएएन) ने अपना सिग्नल देने की पेशकश की है।

ईरानी सेवा के पत्रकारों के साथ सख्ती : मीडिया रिपोर्ट की माने तो वायस ऑफ अमेरिका की फारसी (पर्शियन) सेवा से जुड़े कुछ पत्रकारों को पिछले सप्ताह अचानक ड्यूटी पर बुलाया गया था, जब ईरान पर इस्राइल का हमला हुआ था। लेकिन शुक्रवार को जब उनमें से कुछ लोग ऑफिस से बाहर निकले, तो उनके पहचान पत्र जब्त कर लिए गए और उन्हें अंदर नहीं लौटने दिया गया। एक कर्मचारी ने डर के कारण ऑफिस छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्हें अंदेशा था कि उन्हें भी बाहर कर दिया जाएगा। हालांकि कि मामले में तीन वरिष्ठ महिला पत्रकार जेसिका जेरियाट, केट नीपर और पैटसी विडाकुसवारा ने ट्रंप सरकार के खिलाफ अदालत में केस दायर किया है।

न्यूयॉर्क का एक स्कूल बेहद खास, यहां 500 में से 30 बच्चे हैं जुड़वां

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक स्कूल बेहद खास है, जहां पढ़ने वाले 500 छात्रों में से 30 छात्र जुड़वां हैं। इस हफ्ते ये छात्र इस स्कूल से ग्रेजुएट हो जाएंगे। इनमें से कई तो बचपन से साथ ही पढ़ाई कर रहे हैं। इन छात्रों के माता-पिता भी एक दूसरे को अच्छे से जानते हैं। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में स्थित जॉन एफ कैनेडी हाई स्कूल के कई छात्र को नर्सरी स्कूलों से एक दूसरे को जानते हैं। इन जुड़वां युवाओं के माता-पिता भी एक जुड़वां क्लब के माध्यम से जुड़े हुए हैं और अक्सर मिलते रहते हैं। ऐसा नहीं है कि न्यूयॉर्क का ये हाई स्कूल ही इस मामले में खास है। पिछले साल बोस्टन के एक मिडिल स्कूल में 23 जोड़ी जुड़वां भाई-बहन पढ़ाई करते थे। इसी तरह इलिनोइस के विननेटका में न्यू ट्रायर हाई स्कूल में 2017 में 44 जुड़वां बच्चे थे। स्नातक होने के बाद अब ये जुड़वां भाई-बहन अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं। एक भाई-बहन ही हैं, जो दोनों फ्लोरिडा विश्वविद्यालय जा रहे हैं। जो अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं, वो अपने साथी से दूर रहने के बारे में आशंकित हैं। सिडनी और कायला जसर ने कहा कि वे दोनों फैशन डिजाइन की पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न कॉलेजों में। सिडनी डेलावेयर विश्वविद्यालय में भाग ले रही है जबकि कायला इंडियाना विश्वविद्यालय में पढ़ाई करेगी। कायला ने कहा, हम एक ही कॉलेज में जा सकते थे।

इजराइली हमले में ईरान के ड्रोन कमांडर की मौत, अब तक 12 अफसरों की हत्या

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इस बीच इजराइल ने ईरान के ड्रोन कमांडर अमीन पोर जोदखी को हवाई हमले में मारने का दावा किया है। इससे पहले इजराइल ने 13 जून को ड्रोन यूनिट के चीफ ताहर फुर की हत्या कर दी थी। इसके बाद से जोदखी के पास ही ड्रोन यूनिट की जिम्मेदारी थी। इजराइल अब तक ईरान के 12 से ज्यादा सैन्य अफसरों की हत्या कर चुका है। इसमें ईरानी सेना के चीफ मोहम्मद बाघेरी, आईआरजीसी चीफ होसैन सलामी समेत कई और बड़े नाम हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे इजराइल को जंग रोकने के लिए नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई जीत रहा है तो उसे रोकना मुश्किल है। ईरान और इजराइल के बीच शनिवार को भी जंग जारी है। ईरान ने सुबह इजराइल में तेल अवीव समेत दूसरे शहरों पर मिसाइल हमला किया। इससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, इजराइल ने भी जवाबी हमला करते हुए ईरान में कोम, इस्फहान में मिसाइल हमले किए। इसमें 2 लोगों की मौत हुई है और 4 घायल हैं। बीते 8 दिनों में इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं ईरान में 657 लोगों की

मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। यह आंकड़ा वॉशिंगटन स्थित ईरानी ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दिया है।

इजराइल ने हमास को पैसा भेजने वाले ईरानी कमांडर को मारा इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बताया कि ईरान की कुद्स फोर्स में फिलिस्तीनी मामलों के प्रमुख सईद इजादी को इजराइली सेना ने ईरान के शहर कोम में एक अपार्टमेंट पर हमले में मार गिराया है। काट्ज ने कहा कि इजादी वही शख्स था जिसने 7 अक्टूबर 2023 हमले के लिए हमास को पैसा मुहैया कराया था। काट्ज ने इजादी के मारे जाने पर खुशी जताई और कहा कि इजराइल अपने दुश्मनों को कहीं से भी ढूंढ़ निकालने में काबिल है। काट्ज ने पुराने डॉक्यूमेंट का भी जिक्र किया जिसमें लिखा था कि 2021 में हमास नेताओं ने ईरानी सेना के एक बड़े अधिकारी को पत्र भेजकर इजराइल पर हमला करने के लिए 500 मिलियन डॉलर की मदद मांगी थी।

फ्लोरिडा में फाइबर ऑप्टिक लाइन कटने से कुछ समय के लिए रडार बंद, टला बड़ा हादसा; जांच जारी

फ्लोरिडा, एजेंसी। फ्लोरिडा में फाइबर ऑप्टिक लाइन कटने से कुछ समय के लिए रडार बंद हो गया। इससे एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को थोड़ी देर के लिए रडार की जानकारी मिलनी बंद हो गई। हालांकि, इस आउटेज की वजह से कोई खास दिक्कत नहीं हुई। यह घटना उस तरह की गंभीर नहीं थी, जैसी इस साल वसंत में न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर हुई थी। उस समय वहां का सिस्टम बंद हो गया था और कई उड़ानों में बड़ी देरी हुई थी। नियंत्रक दक्षिण-पूर्व में पांच राज्यों में विमानों को निर्देशित करना जारी रखने में सक्षम थे, क्योंकि एक बैकअप सिस्टम डिजाइन के अनुसार चालू हो गया था।

जैक्सनविले में रडार केंद्र चालू रहा : संघीय उड्डन प्रशासन ने बताया कि फ्लोरिडा में जो रडार केंद्र जैक्सनविले में है, वह चालू रहा। हालांकि, वहां अलर्ट की स्थिति रही क्योंकि उसकी मुख्य संचार लाइन कट गई थी। एक ठेकेदार शुक्रवार दोपहर उस फाइबर लाइन की मरम्मत कर रहा था। अधिकारियों ने यह नहीं बताया गया कि फाइबर लाइन कैसे और कहां कटी।

एफएए ने नहीं बताया- रडार कितनी देर तक बंद रहा : फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने यह भी नहीं बताया कि रडार कितनी देर तक बंद रहा। हालांकि, पहले जब फिलाडेल्फिया में इसी तरह का रडार बंद हुआ था, तब उसे दोबारा चालू होने में 90 सेकंड लगे थे। लेकिन उस समय न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर काफी परेशानी हुई थी। नेवार्क में सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं और कुछ कंट्रोलर्स ने काम से छुट्टी ले ली थी। तब से उस हवाई अड्डे पर परिचालन में काफी सुधार हुआ है। जैक्सनविले में बैकअप सिस्टम समय पर चालू हो गया एएफए के प्रवक्ता ने बताया कि इस बार जैक्सनविले में बैकअप सिस्टम समय पर चालू हो गया, इसलिए कोई जरूरी हवाई सेवा बंद नहीं हुई। यह केंद्र अमेरिका के पांच राज्यों- अलबामा, जॉर्जिया, फ्लोरिडा, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना के बड़े हिस्से में लगभग 160,000 वर्ग मील के हवाई क्षेत्र में उड़ने वाले विमानों को निर्देश देता है। न्यूर्क में समस्याओं के लिए पुराने तांबे के तारों की विफलता को जिम्मेदार ठहराया गया था, जिस पर देश का अधिकांश हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली अभी भी निर्भर है। परिवहन अधिकारियों ने कहा कि न्यूर्क की समस्याओं ने सिस्टम के बहु-मिलियन डॉलर के ओवरहाल की आवश्यकता को प्रदर्शित किया है, जिसे वे कांग्रेस से मंजूरी दिलाने के लिए पैरवी कर रहे हैं।

ट्रंप का दर्द छलका, कहा- कुछ भी करूं, नोबेल नहीं मिलेगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर अपनी इच्छा को सोशल मीडिया के माध्यम से जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने दुनिया में कई बड़े शांति प्रयास किए हैं, लेकिन फिर भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।

चाहे कुछ भी कर लूं, मुझे नहीं मिलेगा... ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि मैंने कांगो और रवांडा के बीच समझौता करवाया, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, सर्बिया और कोसोवो के बीच शांति लाई, मिस्र और इथियोपिया के बीच टकराव रोका और मिडिल ईस्ट में अब्राहम समझौते किए। फिर भी मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे लिखा कि अगर सब कुछ सही चला, तो अब्राहम समझौते में और देश भी जुड़ेंगे और मिडिल ईस्ट पहली बार एकजुट हो पाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि चाहे वो रूस-यूक्रेन या इस्राइल-ईरान जैसे बड़े मुद्दों को भी सुलझा लें, तब भी उन्हें यह पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि मैंने क्या किया है और मेरे लिए वही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब नोबेल पुरस्कारों को लेकर वैश्विक बहस जारी है कि किसे और क्यों दिया जाता है।

ईरान के मुद्दे पर ट्रंप ने अपनी ही खुफिया एजेंसी को बताया गलत : वहीं दूसरी ओर

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु हथियार को लेकर उनकी खुफिया एजेंसी की जानकारी गलत है। पत्रकारों ने ट्रंप से इस पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि तो मेरी खुफिया एजेंसी गलत है। जब बताया गया कि ये बात तुलसी गबार्ड ने कही है, तो ट्रंप ने साफ कहा, वो गलत हैं। बता दें कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने मार्च में संसद में बताया था कि अमेरिका की एजेंसियों के मुताबिक ईरान ने अब तक परमाणु बम बनाने का कोई फैसला नहीं किया है। बता दें कि हाल ही में ट्रंप के साथ लंच करने व्हाइट हाउस गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भी ट्रंप को नोबेल दिए जाने का समर्थन किया था। इसी बीच पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से भी ट्रंप को नामित कर दिया है, ऐसी खबरें सामने आई हैं।

लॉस एंजिलिस हिंसा के लिए जेडी वेंस ने डेमोक्रेट्स को ठहराया दोषी

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में संघीय आव्रजन विभाग के छापों को लेकर हुई हिंसा के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम और लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बास को दोषी ठहराया। इसके अलावा वेंस ने पहले लैटिन अमेरिकी सीनेटर एलेक्स पैडिला को जोस पैडिला कहा। जोस पैडिला राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के प्रशासन के दौरान अलकायदा आतंकवाद के एक दोषी साजिशकर्ता का नाम है। जिसे 20 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। सीनेटर जोस पैडिला को एक सप्ताह पहले अधिकारी जबरन जमीन पर ले गए थे और हथकड़ी लगाई थी। क्योंकि उन्होंने लॉस एंजिलिस में आव्रजन छापों पर होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम के एक समाचार सम्मेलन के दौरान अपनी बात रखी थी। वेंस ने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि जोस पैडिला यहां सवाल पूछने के लिए आएंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने इसलिए नहीं आने का फैसला किया क्योंकि वहां कोई थिएटर नहीं था। और बस यही बात है।वेंस ने कहा कि पैडिला अपने वामपंथी समूहों में वापस जाना चाहते हैं और कहना चाहते हैं, देखो, मैं सीमा प्रवर्तन के खिलाफ खड़ा हुआ था। मैं डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खड़ा हुआ था।

लॉस एंजिलिस के दौरे पर पहुंचे जेडी वेंस : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने लॉस एंजिलिस में मल्टीएजेंसी फेडरल जॉइंट ऑपरेशन सेंटर और मोबाइल कमांड सेंटर

का दौरा किया। ट्रंप ने वेंस को लॉस एंजिलिस ऐसे समय में भेजा है जब इस्राइल-ईरान युद्ध और इसमें अमेरिका की भावी भूमिका को लेकर उथल-पुथल मची हुई है। इससे साफ है कि ट्रंप अपनी कठोर आव्रजन नीतियों को राजनीतिक महत्व देते हैं। कैलिफोर्निया में जो हुआ वह त्रासदी थी संघीय आव्रजन प्रवर्तन कार्यालयों का दौरा करने के बाद वेंस ने कहा कि गैविन न्यूसम और कैरेन बास ने शहर को एक अभयारण्य शहर के रूप में मानते हुए मूल रूप से कहा है कि यह संघीय कानून प्रवर्तन के लिए खुला मौका है। यहां जो हुआ वह एक त्रासदी थी। आपके पास ऐसे लोग थे जो कानून लागू करने का सरल काम कर रहे थे और उनके पास गवर्नर और मेयर द्वारा उकसाए गए दंगाई थे, जिससे उनके लिए अपना काम करना मुश्किल हो गया। यह शर्मनाक है। और यही कारण है कि राष्ट्रपति ने इतनी जोरदार प्रतिक्रिया दी है।

न्यूसम और वास ने दिया जवाब : जेडी वेंस के बयान के बाद गवर्नर न्यूसम के प्रवक्ता इजी गार्डन ने कहा कि उपराष्ट्रपति का दावा पूरी तरह से झूठा है। गवर्नर ने लगातार हिंसा की निंदा की है और अपना रुख स्पष्ट किया है। वहीं मेयर करेन बास ने कहा कि वेंस झूठ और बकवास फैला रहे हैं। संघीय सरकार ने एक स्टंट पर करोड़ों डॉलर बर्बाद कर दिए। आपने यह कहने की हिम्मत कैसे की कि शहर के अधिकारी हिंसा को बढ़ावा देते हैं? हमने शांति बनाए रखी। वहीं सीनेटर पैडिला के प्रवक्ता टेस ओसवाल्ड ने कहा कि पैडिला और वेंस पहले सीनेट में सहकर्मी थे और कहा कि वेंस को बेहतर जानकारी होनी चाहिए। ओसवाल्ड ने कहा कि उन्हें सस्ते शॉट्स लेने के बजाय हमारे शहर को सैन्य मुक्त करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ACB की सफल छापेमारी में तीन घूसखोर पकड़े गए

सरकार मान्यता प्राप्त सर्वेयर और दो भूमि दलालों ने जमीन में सुधार के बदले 5 लाख की रिश्वत ली थी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। इनमें एक सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सर्वेयर और दो जमीन के दलाल शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने जमीन में सुधार कराने के बदले में एक व्यक्ति से 5 लाख की रिश्वत ली थी।

ACB की टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर जाल बिछाया और इन सभी को रंगे हाथों पकड़ लिया। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि पीड़ित व्यक्ति की जमीन में नक्शे या रिकॉर्ड में बदलाव/सुधार करवाना था, जिसके लिए आरोपियों ने मोटी रकम की मांग की थी।

फिलहाल तीनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। ACB द्वारा यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और सख्त कदम मानी जा रही है।

अहमदाबाद के बोपल इलाके में जमीन से जुड़े सुधार कार्य के बदले 5 लाख की रिश्वत लेने के मामले में ACB ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त लाइसेंसधारी सर्वेयर समेत दो जमीन दलालों की संलिप्तता सामने आई है।

ACB की जांच में यह खुलासा हुआ कि जमीन के रिकॉर्ड या अन्य सुधार करवाने के एवज में इन तीनों ने मिलकर 5 लाख की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने पर ACB ने जाल बिछाकर इन्हें रंगे हाथों पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

KJP सुधार कराने के लिए 5 लाख की रिश्वत की मांग की गई अहमदाबाद के एक शिकायतकर्ता को अपनी बहन की जमीन में KJP सुधार करवाना था। इसके लिए उन्होंने वाडज स्थित DIRL कार्यालय से संपर्क किया। वहां उनकी मुलाकात गौतम याज्ञिक नामक सरकार मान्यता प्राप्त लाइसेंसधारी सर्वेयर से हुई।

गौतम याज्ञिक ने KJP में सुधार करवाने के बदले 5 लाख की रिश्वत की मांग की। यह राशि शिकायतकर्ता को दो भूमि दलालों — नवगणसिंह डोडिया और मनीष पगी को देनी थी।

रिश्वत की इस मांग से परेशान होकर शिकायतकर्ता ने तुरंत ACB (एंटी करप्शन ब्यूरो) से संपर्क किया और पूरी जानकारी दी।

शराब पीने से मना किया तो नशेड़ियों ने युवक को पीटा

पांडेसरा में असामाजिक तत्वों का आतंक, वेल्डिंग दुकान वाले को पीटा वीडियो वायरल होने पर पुलिस जांच में जुटी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पांडेसरा इलाके में असामाजिक तत्वों का आतंक एक बार फिर सामने आया है। पांडेसरा में कुछ नशेड़ियों ने शराब पीने से मना करने पर एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़ित युवक वेल्डिंग की दुकान चलाता है। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब पीड़ित युवक ने आरोपियों को शराब पीने से रोका, तो नशे में धुत युवकों ने उसे घेरकर मारपीट शुरू कर दी। घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह नशेड़ियों ने युवक को लात-घूंसे और लाठी से मारा। इस घटना ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फिलहाल पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पलसाणा में रेलवे ट्रैक पर युवक की हत्या का मामला

हाथ-पैर बांधकर ट्रेन के नीचे फेंका गया,दो आरोपी गिरफ्तार, दो फरार; पुलिस ने किया घटनास्थल का री-कंस्ट्रक्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,पलसाणा इलाके में रेलवे ट्रैक पर युवक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। युवक के हाथ-पैर बांधकर उसे चलती ट्रेन के नीचे फेंक दिया गया था। इस सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अभी भी फरार हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को साथ लेकर घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले का री-कंस्ट्रक्शन (पुनरावृत्ति) किया, जिससे हत्या की स्थिति और कारणों की जांच की जा सके। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या किसी आपसी रंजिश के चलते की गई थी।

पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

मृतक की पहचान राजकुमार प्रमोद शुक्ला (मूल निवासी - उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। उसका शव 1 जून की रात नीलकंठ सोसायटी के पास रेलवे ट्रैक से बरामद किया गया।

प्राथमिक जांच में पुलिस ने पाया कि मृतक का एक हाथ नायलॉन की रस्सी से रेलवे ट्रैक की पटरी से बंधा हुआ था। शुरुआत में इस मामले को दुर्घटना मानते हुए पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ का मामला दर्ज किया था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर हत्या की साजिश का खुलासा हुआ।

पांडेसरा GIDC में हादसा

प्रयागराज डाइंग मिल में 26 वर्षीय युवक को लगा करंट इलाज के दौरान मौत - सुरक्षा व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पांडेसरा प्रयागराज डाइंग मिल में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां बल्ब लगाते समय करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, युवक मिल में काम कर रहा था और बल्ब लगाते समय अचानक करंट की चपेट में आ गया। हादसे के तुरंत बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यह हादसा एक बार फिर मिलों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की अनदेखी की ओर इशारा करता है। परिवार ने आरोप लगाया है कि मिल में बिजली संबंधी सुरक्षा उपायों की भारी कमी है, जिससे यह हादसा हुआ।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र स्थित प्रयागराज मिल में ड्यूटी के दौरान करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान पांडेसरा की मणिनगर सोसायटी में रहने वाले 26 वर्षीय राहुल राजकुमार पटेल के रूप में हुई है। उनके असामयिक निधन से पूरे परिवार में शोक की लहर फैल गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राहुल राजकुमार पटेल मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले थे और पांडेसरा में रहकर प्रयागराज मिल में इलेक्ट्रिशियन के रूप में काम करते थे, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। बीती रात ड्यूटी के दौरान जब वे मिल में बल्ब लगा रहे थे, तभी अचानक उनके दाहिने हाथ में करंट लग गया।

करंट लगते ही राहुल मौके पर ही बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत पास के निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें सिविल अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि, सिविल अस्पताल पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राहुल के परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। परिवार के इस स्तंभ के अचानक चले जाने से उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस घटना से पांडेसरा इलाके में भी शोक का माहौल है। फिलहाल पुलिस द्वारा इस घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

ट्रायथलॉन 2.0 प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा रविवार को फिटनेस पर आधारित प्रतियोगिता ट्रायथलॉन 2.0 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरुआत सुबह साढ़े छ: बजे से हुई। प्रतियोगिता में पचास प्रतियोगियों ने पहले पचास मीटर स्विमिंग फिर सात किलोमीटर साइकिलिंग एवं अंत में एक किलोमीटर रनिंग की। प्रतियोगिता का समापन सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस पर हुआ। विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव अनिल शोरेवाला, राहुल अग्रवाल, युवा शाखा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

SMC की घाटे में चल रही सिटी बसों की रोज़ाना आय में 1.50 लाख की बढ़ोतरी

सूरत में ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा सिटी और BRTS बसों में चेकिंग अभियान चेयरमैन ने अनियमितताओं के खिलाफ शिकायत करने की अपील की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत महान पालिका (SMC) की घाटे में चल रही सिटी बस सेवा की आय में हाल ही में 1.50 लाख की रोज़ाना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान का नतीजा बताई जा रही है, जो सिटी बसों और BRTS कॉरिडोर में किया गया।

चेकिंग अभियान के दौरान कई यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया। इस सख्त निगरानी के चलते राजस्व में सीधी वृद्धि देखी गई है। स्स्ट्र के ट्रांसपोर्ट चेयरमैन ने नागरिकों से अपील की है कि अगर उन्हें किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार का पता चले तो वे उसकी शिकायत करें।

यह अभियान ट्रांस द्वारा घाट कम करने और सेवा को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चलाया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस तरह के सघन चेकिंग से न केवल आर्थिक सुधार होगा, बल्कि यात्रियों में नियमों का पालन करने की प्रवृत्ति भी बढ़ेगी।

सूरत महानगरपालिका में 8 50 से अधिक बसें मास ट्रांसपोर्टेशन में दौड़ रही हैं, ऐसे में कंडक्टर और ड्राइवर द्वारा गड़बड़ी की शिकायतों के बाद ट्रांसपोर्ट विभाग के चेयरमैन ने खुद बसों में जाकर चेकिंग अभियान शुरू किया है। इस दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री, कंडक्टर द्वारा पैसे लेकर टिकट न देने और ड्राइवर द्वारा बदसलूकी की शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले विजिलेंस और टिकट चेकिंग टीम ने 6 कंडक्टरों को पकड़ा था। इसके बाद ट्रांसपोर्ट चेयरमैन के निरीक्षण के दौरान 3 कंडक्टरों को सस्पेंड कर दिया गया, जबकि 3 को ब्लैकलिस्ट किया गया।

परिवहन चेयरमैन सोमनाथ मराठे ने कहा कि, च्च्हम लगातार अभियान स्वरूप काम कर रहे हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर, बस स्टैंड पर यात्रियों की समस्याओं को ध्यान में रखकर निर्णय ले रहे हैं। निर्णय केवल कार्यालय में बैठकर नहीं, बल्कि स्थल पर जाकर टिकट चेकिंग के जरिए लिए जा रहे हैं। कंडक्टरों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। ड्राइवरों के व्यवहार को भी गंभीरता से लेकर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। जो यात्री टिकट नहीं लेते हैं उनसे भी जुर्माना वसूला जा रहा है।

इस पूरी मुहिम के शुरू होने के बाद, सिर्फ सिटी बसों से ही पिछले एक हफ्ते में रोज़ाना की आमदनी 1.5 लाख तक बढ़ गई है। BRTS की आय कितनी बढ़ी है, इसकी जानकारी एकत्र की जा रही है, लेकिन यह स्पष्ट है कि समय पर की गई सख्त कार्रवाई से ना केवल मनपा की आय में इज़ाफा हुआ है, बल्कि अनुशासन भी बढ़ा है।

चेयरमैन ने जनता से अपील की है कि, "आप भी टिकट लेकर ही यात्रा करें। अगर कोई कंडक्टर पैसे लेने के बावजूद टिकट नहीं देता है, तो उसका वीडियो बनाकर हमें भेजें या उसकी शिकायत करें, ताकि आप भी सूरत महानगरपालिका के विकास में भागीदार बनें।"

विदेश वीजा के नाम पर साइबर ठगी

वलसाड पुलिस ने आरोपी को दमण से किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड शहर में एक बार फिर साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें सोशल मीडिया पर विदेशी वीजा दिलाने का झांसा देकर युवक से ठगी की गई। पुलिस ने इस मामले में दमण के तीनबत्ती क्षेत्र से धर्मेशभाई रामजीभाई टंडेल (उम्र 43) को गिरफ्तार किया है।

फरियादी साजिद सलीम पठान ने फेसबुक पर च्चसिर्फ 7 दिनों में वीजा मिलेगाज्ज इस तरह की एक आकर्षक विज्ञापन देख कर आरोपी से संपर्क किया था। आरोपी ने खुद को मुंबई निवासी पिंकल पाटिल बताकर दुबई का वीजा और टिकट पैकेज 1,00,000 में देने की बात कही। भरोसा दिलाकर फरियादी से 25,000 एडवांस के रूप में गूगल पेय से ले लिए और फिर संपर्क तोड़ दिया।

फरियादी ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 और वलसाड सिटी पुलिस से संपर्क किया। पुलिस निरीक्षक डी.डी. परमार के निर्देशन में पु.सब.इंस्पेक्टर डी.एस. पटेल और उनकी टीम ने सर्विलांस और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच कर आरोपी को धरदबोचा।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी फेसबुक पर वीजा से जुड़ी फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठगने का काम करता था। एसपी डॉ. करणराज वाघेला और डिप्टी एसपी ए.के.वर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि इस प्रकार की ऑनलाइन लुभावनी पेशकशों से सतर्क रहें और अनजान लिंक पर क्लिक न करें। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें।